इग्नू
जन–जन का
विश्वविद्यालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

कालज्योति पञ्चाङ्ग

स्थान : नई दिल्ली, भारत
अक्षांश: 28° 39′ 07″ उ.
देशान्तर: 77° 13′ 53″ पू.

13 चान्द्र मास
6 ऋतु
2 अयन
1 वर्ष

विक्रम संवत्
2080

कलि संवत् – 5124 शक संवत् – 1945 हिज़री संवत् – 1444-45

ईस्वी संवत्
2023–24

www.ignouac.in
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068
Indira Gandhi National Open University, Maidan Garhi, New Delhi - 110068

पाथेय

भारतीय कालमान और उसका दर्शन विश्व में एकमात्र वैज्ञानिक कालमान और दर्शन है। इसकी आधारशिला विशुद्ध रूप से खगोल तथा अंतरिक्ष का प्रत्यक्ष समग्र अवलोकन है। यह सूर्य और चंद्रमा दोनों की ही गतियों पर आधारित है। सूर्य, चंद्रमा आदि अंतरिक्षीय पिंडों की गतियों तथा पृथिवी पर पड़ने वाले उनके प्रभावों के अनुसार भारतीय मनीषियों ने तिथियों, वारों, सप्ताहों, मासों, वर्षों आदि व्यावहारिक प्रयोग की गणनाएं की हैं। देश, काल और परिस्थिति के अनुसार जीवन के विकास और विस्तार का पथ ऋतु-चक्र के अनुसार अपने क्रम को बदलता है। ऋतु चंद्रमा के क्रम और सूर्य की संक्रांति पर निर्भर है। यह पूर्णतः वैज्ञानिक और प्रकृति आधारित नियम है। पृथ्वी जितने दिनों में सूर्य की एक परिक्रमा पूरी कर लेती है, इस समय को एक वर्ष की इकाई माना गया है, जिससे काल-गणना में सुविधा रहे। इस तरह हमने विभिन्न संयोजनों से समय विभाजन किया। इन संयोजनों के आधार पर भारत में लगभग 30 प्रकार के पञ्चाङ्ग प्रचलित हैं। इनमें सर्वाधित प्रचलित विक्रम संवत् पर आधारित पञ्चाङ्ग है। इसके अलावा भारत सरकार ने शक संवत् को राष्ट्रीय पञ्चाङ्ग की मान्यता प्रदान की है। वहीं सप्तऋर्षि संवत्, कलि संवत्, कृत संवत्, युधिष्ठिर संवत्, वीर निर्वाण संवत्, गुप्त संवत्, शालिवाहन, विजयाभिनंदन, नागार्जुन, वल्लभ संवत्, त्रैकूटक संवत् व कल्कि आदि संवतों के नाम अलग-अलग युगों में आए हैं। वर्तमान काल में प्रचलित कैलेंडर में केवल दिनों, माहों और वर्ष का विवरण दिया रहता है। परंतु भारतीय परम्परा में कैलेंडर में इन तीनों के वर्णन के अतिरिक्त काल के पाँच अंगों का भी विवरण दिया जाता है। इस प्रकार काल के पाँच अंग होने के कारण इसे कैलेंडर मात्र नहीं, बल्कि पञ्चाङ्ग कहा जाता है। काल के ये पांच अंग हैं- नक्षत्र, तिथि, योग, करण और वार।

बहुत ही हर्ष का विषय है कि संस्कृत संकाय, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू "कालज्योति" नामक पञ्चाङ्ग के द्वितीय अंक को प्रकाशित करने जा रहा है। जिसके माध्यम से भारतीय कालगणना का व्यावहारिक रूप सर्वजनग्राही होगा। इसका महत्व इसलिए और अधिक बढ़ जाता है कि यह पञ्चाङ्ग स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वबोध और स्व के जागरण के अभियान में काल-गणना की भारतीय पद्धति के वैशिष्ट्य को स्थापित करेगा।

(नागेश्वर राव)
2/3/23

प्रो. नागेश्वर राव
कुलपति, इग्नू

प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी
कुलपतिः
केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः
संसदः अधिनियमेन स्थापितः
(प्राक्तनं राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्,
भारतसर्वकारस्य शिक्षामन्त्रालयाधीनम्)

Prof. Shrinivasa Varakhedi
Vice-Chancellor
Central Sanskrit University
Established by an Act of Parliament
(Formerly Rashtriya Sanskrit Sansthan,
Under Ministry of Education, Govt. of India)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शुभसन्देशः

कालः कलयते लोकं कालः कलयते जगत् ।
कालः कलयते विश्वं तेन कालोऽभिधीयते ॥
कालस्य वशगाः सर्वे देवर्षिसिद्धकिन्नराः ।
कालो हि भगवान्देवः स साक्षात्परमेश्वरः ॥

अस्माकं सनातनसम्प्रदायानुसरणशीलानां भारतीयानां जीवनपद्धतेः इष्टप्राप्ति-अनिष्टपरिहारोपायप्रदर्शकः वेदः एव मूलम्। वेदाः तावत् यज्ञादिकर्मसु अस्मान् प्रवर्तयन्ति। तानि यानि कर्माणि यस्मिन् काले विहितानि वर्तन्ते तत्कर्मयोग्यकालः ज्योतिश्शास्त्रम् अन्तरा ज्ञातुं न शक्यते। अतः एव वेदाङ्गज्योतिषे लगधाचार्यः कथयति-

वेदा हि यज्ञार्थमभिप्रवृत्ताः कालानुपूर्वा विहिताश्च यज्ञाः।
तस्मादिदं कालविधानशास्त्रं यो ज्योतिषं वेद स वेद यज्ञान् ॥ इति।

तदित्थम् अनल्पीयसि अस्मिन् कालविधानशास्त्रे त्रुटिम् आरभ्य महाप्रलयपर्यन्तं कालभेदः प्रदर्शितः। 'लोकानामन्तकृत् कालः कालोऽन्यः कलनात्मकः। स द्विधा स्थूलसूक्ष्मत्वान्मूर्तश्चामूर्त उच्यते' इति सूर्यसिद्धान्तोक्तेः सर्वेषां स्थावरजङ्गमानां लयकर्ता कालः, प्राण-विघटी-घटी-दिन-अहोरात्र-पक्ष-मास-वर्ष-दिव्यवर्ष-युग-महायुग-मन्वन्तर-कल्पभेदेन गणनात्मकः कालः चेति द्विविधः कालः प्रसिद्धः इति ज्ञायते।

ब्राह्मं दिव्यं तथा पित्र्यं प्राजापत्यं च गौरवम्।
सौरं च सावनं चान्द्रमार्क्षं मानानि वै नव ॥ इति।

नवविधकालमानानि ज्योतिश्शास्त्रे प्रसिद्धानि। तत्र मानुषमानेन यत् कल्पद्वयं तेन ब्रह्मणः यत् एकम् अहोरात्रं सम्भवति तदेव ब्राह्मं मानम्। मनुष्यमानेन ३६० सौरवर्षाणि यानि सम्भवन्ति तत् देवानां मानं दिव्यमित्युच्यते। यत् अस्माकम् एकः मासः तत् पितॄणाम् एकम् अहोरात्रं भवति, तदेव पित्र्यं मानम् इत्युच्यते। मन्वन्तरव्यवस्था एव प्राजापत्यं मानं भवति। गुरोः एकराशिभोगकालः गौरवं मानं चेति एतानि पञ्च मानानि मनुष्याणां दैनन्दिनव्यवहारार्थं नावश्यकानि भवन्ति। परन्तु सूर्यस्य एकांशभोगकालः, सूर्यस्य उदयद्वयान्तर्वर्ती कालः, रविचन्द्रान्तररूपः तिथिकालः, षष्टिघटिकात्मककालः चेति सौर-सावन-चान्द्र-नाक्षत्राख्यानि चतुर्विधकालमानानि दैनन्दिनव्यवहारे अत्यन्तम् उपयुक्तानि भवन्ति। अत एव एतदुपयुज्य पञ्चाङ्गव्यवस्थां धर्मशास्त्रविधिनिषेधनियमानुगुणं दैवज्ञाः परिकल्पयन्ति।

भारतवर्षे मुख्यतया सिद्धान्त-आर्य-दृग्गणितभेदेन पञ्चाङ्गनिर्माणपद्धतिः प्राचीनकालात् प्रचलति। तत्र नैकेषु मतभेदेषु सत्सु अपि दृग्गणितपञ्चाङ्गमेव ज्योतिर्विद्गणेन आद्रियते। भारतसर्वकारेणापि एतत्पञ्चाङ्गमेव अनुमतं वर्तते। आर्यभट-वराहमिहिर-ब्रह्मगुप्त-श्रीपति-भास्कर-गणेश-वेङ्कटेशादिजुष्टां ज्योतिस्सरणिम् अनुसरन्तः सम्प्रति 'इन्दिरागान्धी राष्ट्रिय-मुक्तविश्वविद्यालयः' इत्यस्याः संस्थायाः संस्कृतविभागाध्यापकाः "कालज्योति-पञ्चाङ्गम्" इति पञ्चाङ्गं विरचय्य जनानां शुभाशुभकालज्ञानाय महान्तम् उपकारं कुर्वन्तो लोकहितं साधयन्तः सन्ति। एतदर्थं कुलपतिवर्येभ्यः समितिसदस्येभ्यः च धन्यवादान् वितनोमि।

(प्रो. श्रीनिवासवरखेडी)
कुलपतिः

56-57, सांस्थानिकक्षेत्रम्, जनकपुरी, नवदेहली - 110058
56-57, Institutional Area, Janakpuri, New Delhi - 110058 (INDIA)
Ph. No.: (O) 011-28523949, **EPABX** : 28524993, 28521994, 28524995
EMAIL : vicechancellorcsu@gmail.com / vc@csu.co.in, **WEBSITE** : www.sanskrit.nic.in

---

प्रो. मुरलीमनोहरपाठकः
कुलपतिः
Prof. Murlimanohar Pathak
Vice-Chancellor

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः
(केन्द्रीयविश्वविद्यालयः)
'ए' ग्रेड (नैक)
बी-4, कुतुबसांस्थानिकक्षेत्रम्, नवदेहली-110 016 (भारत)
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University)
'A' Grade (NAAC)
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110 016 (INDIA)

पत्र संख्या-लाबशा./वी.सी.2023/ 141 दिनांक : 23.02.2023

शुभाशंसा

उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम् । वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः ॥ पुराणों के इस कथन से जहाँ भारत की भौगोलिक सीमा का निरूपण किया गया है, वहीं भारतीय सन्तति के निवास के द्वारा उसकी सांस्कृतिक विशेषता का भी संकेत किया गया है। यह देश अपनी प्राकृतिक सुषमा एवं बौद्धिक सम्पदा के कारण सम्पूर्ण विश्व में एक अग्रगण्य देश के रूप में विख्यात है ।

भारतीय ज्योतिष-शास्त्र की प्रमुख विशेषता है कि यह प्रत्यक्ष शास्त्र है । सौरमण्डलीय ग्रहों की गति, स्थिति, उदय, अस्त, मार्गत्व, वक्रत्व, ग्रहण एवं चन्द्रकलाओं की ह्रास-वृद्धि आदि कुछ ऐसी घटनायें हैं, जो हजारों-हजारों वर्षों से इसकी प्रत्यक्षता की गवाही दे रही है । ज्योतिष-शास्त्र में प्रत्यक्षता का अर्थ होता है, "**गणितागत परिणाम का ज्यों का त्यों दिखलाई देना ।**" उदाहरणार्थ जिस समय गणित से पूर्णिमा आए और उस समय चन्द्रमा का परिपूर्ण बिम्ब दिखलाई दे अथवा जिस समय सूर्य या चन्द्रमा का ग्रहण गणित से निकाला जाए और उसी समय सूर्य या चन्द्र का ग्रहण पड़े अथवा गणित से ग्रहों के उदयास्त का जो समय बतलाया जाए, उसी समय ग्रहों का उदयास्त हो, इस प्रकार के गणितागत परिणामों का यथावत् घटित होना प्रत्यक्षता कही जाती है । "**प्रत्यक्षं ज्योतिषं शास्त्रम्**" की उद्घोषणा करने वाले वशिष्ठ एवं पाराशर प्रभृति महर्षियों ने इस प्रकार के सत्यों एवं सिद्धांतो को अन्तर्दृष्टि एवं पर्यवेक्षण- इन दो प्रकारों से ज्ञात किया है । अन्तर्दृष्टि या दिव्यदृष्टि एक ऐसी वैयक्तिक क्षमता है, जिसके द्वारा विचार-तरंगों में आन्दोलित तथ्यों को यथावत् आत्मसात् किया जा सकता है । तथ्य एवं सत्य दोनों को जानने की यह एक सयुक्तिक विधा है । पर्यवेक्षण के सम्बन्ध में कहा गया है, "**यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यकम् । दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादिनिर्णयम् ॥ (वशिष्ठ)** नारदसंहिता के अनुसार सिद्धान्त, संहिता, होरा-इसके तीन स्कन्ध हैं :- **सिद्धान्तसंहिताहोरारूपस्कन्धत्रयात्मकम् । वेदस्य निर्मलं चक्षुः ज्योतिष्शास्त्रमकल्मषम् ॥**

भारतवर्ष में पंचांग बनाने की परम्परा वैदिककाल से ही चली आ रही है । भारतीय समाज में कार्यकलापों को वर्ष भर की अवधि में सम्पादित करने के लिए काल का अध्ययन करके, पंचांग के अन्तर्गत ही कालखण्ड निर्धारित करने की परम्परा का नैरन्तर्य है । पंचांग ज्योतिषशास्त्र का मेरुदण्ड माना जाता है । वेदों में उद्धृत ऋतु, अयन, मास, तिथि, वार, नक्षत्र, पक्ष, काल इत्यादि अवयव इस बात के प्रमाण हैं। 'पंचांग' ऋषियों की ही देन है । तिथि, वार, नक्षत्र, योग एवं करण के समूह को पंचांग कहा गया है । भारतीय कुण्डली विज्ञान-पंचांग प्रकरण में इसका लक्षण दिया गया है-'**तिथिवारं च नक्षत्रं योगः करणमेव च इति पंचांगमाख्यातम्**' । लग्न, दिनमान, मुहूर्त, शककाल, वर्षारम्भ, संवत्सर, पूर्णिमान्त-अमान्त मान, व्रतोत्सव इत्यादि पंचांग के ही अंगभूत है । सब कुछ रहते हुए भी ज्योतिषशास्त्र के बिना यह संसार कैसा होगा, बृहत्संहिता 2/24 के इस कथन से प्रमाणित है-'**अप्रदीपा यथा रात्रिरनादित्यं यथा नभः**' तथा '**सांवत्सरो लोके भ्रमत्यन्ध इवाध्वनि**' । अतः काल का कथन, काल का उपयोग ही पंचांग का व्यावहारिक विषय है ।

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के संस्कृत-संकाय, मानविकी विद्यापीठ द्वारा भारतीय विद्या के प्रोत्साहन हेतु गत वर्ष से '**कालज्योति**' नामक पंचांग का निर्माण जनमानस के लिए अत्यन्त उपयोगी है । मैं विश्वविद्यालय परिवार को नव-संवत्सर एवं पंचांग प्रकाशन हेतु हार्दिक बधाई देता हूँ ।

23.02.23
(मुरलीमनोहर पाठक)

Ph. : 011-26851253, 26564003
E-mail : profmpathak@gmail.com, vcslbsrsv@yahoo.co.in, vc@slbsrsv.ac.in

इग्नू
जन–जन का
विश्वविद्यालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

G20 भारत 2023 INDIA

कालज्योति पञ्चाङ्ग

चैत्रमास

(08 मार्च- 06 अप्रैल, 2023 ई.)

वसन्त ऋतु, उत्तरायण,
2080 विक्रम संवत्

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष से नव वर्ष प्रारम्भ होता है। अतः चैत्र मास का कृष्ण पक्ष (08 मार्च-21 मार्च) विक्रम संवत् 2079 का भाग है-

पञ्चाङ्ग - काल के पाँच अवयवों को बताने वाला - तिथि, नक्षत्र, योग, करण तथा वार।

सूर्य: ↑ उदय ↓ अस्त; चन्द्र: ↑ उदय ↓ अस्त

सभी समय 24 घण्टा प्रारूप के अनुसार नई दिल्ली, भारत के स्थानीय समय के साथ दर्शाए गए हैं तथा लिखा हुआ समय उस तिथि, नक्षत्र, योग और करण की समाप्ति को बताता है। उस समय के बाद क्रम से अगली तिथि, नक्षत्र, योग तथा करण प्रारम्भ होगा। जहाँ समय नहीं लिखा है वहाँ अभिप्राय है कि वह पूर्ण रात्रि तक है।

कृष्ण पक्ष

दिनांक	वार	सूर्य उदय	सूर्य अस्त	चन्द्र उदय	चन्द्र अस्त	तिथि	नक्षत्र	योग	करण
08 मार्च	बुधवार	06:39	18:25	19:14	07:13	प्रतिपदा १ 19:42	उ.फ. 04:20+	शूल 21:20	बालव 06:58
09 मार्च	गुरुवार	06:38	18:26	20:08	07:41	द्वितीया २ 20:54	हस्त 05:57	गण्ड 21:08	तैतिल 08:21
10 मार्च	शुक्रवार	06:37	18:26	21:05	08:09	तृतीया ३ 21:42	चित्रा	वृद्धि 20:40	वणिज 09:21
11 मार्च	शनिवार	06:36	18:27	22:03	08:39	चतुर्थी ४ 08:49	चित्रा 07:11	ध्रुव 19:52	बव 19:57
12 मार्च	रविवार	06:35	18:27	23:05	09:13	पञ्चमी ५ 22:01	स्वाती 08:00	व्याघात 18:43	कौलव 10:07
13 मार्च	सोमवार	06:34	18:28	00:09, मार्च 14	09:51	षष्ठी ६ 21:27	विशाखा 08:21	हर्षण 17:11	गर 09:48
14 मार्च	मंगलवार	06:33	18:29	01:14, मार्च 15	10:36	सप्तमी ७ 20:22	अनुराधा 08:13	वज्र 15:14	भद्रा 08:58
15 मार्च	बुधवार	06:31	18:29	02:18, मार्च 16	11:29	अष्टमी ८ 18:45	ज्येष्ठा 07:34	सिद्धि 12:53	बालव 07:37
16 मार्च	गुरुवार	06:30	18:30	03:18, मार्च 17	12:30	नवमी ९ 16:39	पू.षा. 04:47	व्यतीपात 10:07	गर 16:39
17 मार्च	शुक्रवार	06:29	18:30	04:12, मार्च 18	13:38	दशमी १० 14:06	उ.षा. 02:46, मार्च 18	वरीयान् 06:59	भद्रा 14:06
18 मार्च	शनिवार	06:28	18:31	04:58, मार्च 19	14:49	एकादशी ११ 11:13	श्रवण 00:29, मार्च 19	शिव 23:54	बालव 11:13
19 मार्च	रविवार	06:27	18:31	05:38, मार्च 20	16:00	द्वादशी १२ 08:07, त्रयोदशी	धनिष्ठा 22:04	सिद्ध 20:07	तैतिल 08:07
20 मार्च	सोमवार	06:26	18:32	06:15, मार्च 21	17:09	चतुर्दशी १४ 01:47, मार्च 21	शतभिषा 19:39	साध्य 16:21	भद्रा 15:20
21 मार्च	मंगलवार	06:24	18:33	—	18:16	अमावस्या 22:52	पू.भा. 17:26	शुभ 12:42	चतुष्पाद 12:17

विक्रम संवत् 2080
प्रतिपदा, शुक्ल पक्ष, चैत्र मास
तदनुसार 22 मार्च, 2023 ईस्वी संवत्।

शुक्ल पक्ष

दिनांक	वार	सूर्य उदय	सूर्य अस्त	चन्द्र उदय	चन्द्र अस्त	तिथि	नक्षत्र	योग	करण
22 मार्च	बुधवार	06:23	18:33	06:49	19:21	प्रतिपदा १ 20:20	उ.भा. 15:32	शुक्ल 09:18	किंस्तुघ्न 09:33
23 मार्च	गुरुवार	06:22	18:34	07:22	20:24	द्वितीया २ 18:20	रेवती 14:08	इन्द्र	बालव 07:16
24 मार्च	शुक्रवार	06:21	18:34	07:56	21:28	तृतीया ३ 16:59	अश्विनी 13:22	वैधृति	गर 16:59
25 मार्च	शनिवार	06:20	18:35	08:31	22:30	चतुर्थी ४ 16:23	भरणी 13:19	विष्कम्भ	भद्रा 16:23
26 मार्च	रविवार	06:19	18:35	09:10	23:32	पञ्चमी ५ 16:32	कृतिका 14:01	प्रीति 23:23	बालव 16:32
27 मार्च	सोमवार	06:18	18:36	09:54	00:31, मार्च 28	षष्ठी ६ 17:27	रोहिणी 15:27	आयुष्मान् 23:20	तैतिल 17:27
28 मार्च	मंगलवार	06:16	18:37	10:42	01:26, मार्च 29	सप्तमी ७ 19:02	मृगशिरा 17:32	सौभाग्य 23:36	वणिज 19:02
29 मार्च	बुधवार	06:15	18:37	11:33	02:06, मार्च 30	अष्टमी ८ 21:07	आर्द्रा 20:07	शोभन	भद्रा 08:01
30 मार्च	गुरुवार	06:14	18:38	12:28	03:00, मार्च31	नवमी ९ 23:30	पुनर्वसु 22:59	अतिगण्ड	बालव 10:17
31 मार्च	शुक्रवार	06:13	18:38	13:24	03:39, अप्रैल 1	दशमी १० 01:58, अप्रैल 1	पुष्य01:57, अप्रैल 1	सुकर्मा	तैतिल 12:44
01 अप्रैल	शनिवार	06:12	18:39	14:20	04:14, अप्रैल 2	एकादशी११ 04:19, अप्रैल 2	आश्लेष 04:48, अप्रैल 2	धृति 02:45, अप्रैल 2	वणिज 15:10
02 अप्रैल	रविवार	06:11	18:39	15:16,	04:45, अप्रैल 3	द्वादशी१२	मघा	शूल 03:21, अप्रैल 3	बव 17:24
03 अप्रैल	सोमवार	06:09	18:40	16:11	05:14, अप्रैल 4	द्वादशी १२ 06:24	मघा 07:24	गण्ड 03:41, अप्रैल 4	बालव 06:24
04 अप्रैल	मंगलवार	06:08	18:40	17:06	05:43, अप्रैल 5	त्रयोदशी १३ 08:05	पू.फा. 09:36	वृद्धि 03:40, अप्रैल 5	तैतिल 08:05
05 अप्रैल	बुधवार	06:07	18:41	18:01	----	चतुर्दशी १४ 09:19	उ.फा. 11:23	ध्रुव 03:17, अप्रैल 6	वणिज 09:19
06 अप्रैल	गुरुवार	06:06	18:42	18:57	16:11	पूर्णिमा 10:04	हस्त 12:42	व्याघात 02:32, अप्रैल 7	बव 10:04
07 अप्रैल	शुक्रवार	06:05	18:42	19:56	06:41	प्रतिपदा १ 10:20	चित्रा 13:33	हर्षण 01:26, अप्रैल 8	कौलव 10:20
08 अप्रैल	शनिवार	06:04	18:43	20:57	07:13	द्वितीया २ 10:10	स्वाती 13:59	वज्र 23:59	गर 10:10

दिवस विशेष व्रत/पर्व

22 मार्च - चैत्र नवरात्रि, युगादि, गुड़ी पड़वा
23 मार्च - शहीद दिवस
24 मार्च - मत्स्य जयन्ती, गौरी पूजा, गणगौर तीज
25 मार्च - विनायक चतुर्थी
26 मार्च - स्कन्द षष्ठी
27 मार्च - यमुना छठ
29 मार्च - महा अष्टमी व्रत
30 मार्च - राम नवमी
3 अप्रैल - प्रदोष व्रत, छत्रपति शिवाजी पुण्यतिथि
4 अप्रैल - महावीर जयन्ती
6 अप्रैल - हनुमान जयन्ती

दिवस विशेष में -
नीला रंग = शासकीय अवकाश (GH)
हरा रंग = प्रतिबन्धित अवकाश (RH)

कालज्योति पञ्चाङ्ग

इग्नू
जन–जन का विश्वविद्यालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

G20 भारत 2023 INDIA

वैशाख मास

(07 अप्रैल - 05 मई , 2023 ई.)

वसन्त/ग्रीष्म ऋतु, उत्तरायण,
2080 विक्रम संवत्

कृष्ण पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
02 अप्रैल ☀ 06:11 18:39 ☾ 15:16, 04:45, अप्रैल 3 द्वादशी१२ नक्षत्र: मघा योग: शूल 03:21, अप्रैल 3 करण: बव 17:24	**03 अप्रैल** ☀ 06:09 18:40 ☾ 16:11 05:14 अप्रैल 4 द्वादशी १२ 06:24 नक्षत्र: मघा 07:24 योग: गण्ड 03:41, अप्रैल 4 करण: बालव 06:24	**04 अप्रैल** ☀ 06:08 18:40 ☾ 17:06 05:43, अप्रैल 5 त्रयोदशी १३ 08:05 नक्षत्र: पू.फा. 09:36 योग: वृद्धि 03:40, अप्रैल 5 करण: तैतिल 08:05	**05 अप्रैल** ☀ 06:07 18:41 ☾ 18:01 चतुर्दशी १४ 09:19 नक्षत्र: उ.फा. 11:23 योग: ध्रुव 03:17, अप्रैल 6 करण: वणिज 09:19	**06 अप्रैल** ☀ 06:06 18:42 ☾ 18:57 16:11 पूर्णिमा 10:04 नक्षत्र: हस्त 12:42 योग: व्याघात 02:32, अप्रैल 7 करण: बव 10:04	**07अप्रैल** ☀ 06:05 18:42 ☾ 19:56 06:41 प्रतिपदा १ 10:20 नक्षत्र: चित्रा 13:33 योग: हर्षण 01:26, अप्रैल 8 करण: कौलव 10:20	**08अप्रैल** ☀ 06:04 18:43 ☾ 20:57 07:13 द्वितीया २ 10:10 नक्षत्र: स्वाती 13:59 योग: वज्र 23:59 करण: गर 10:10
09 अप्रैल ☀ 06:03 18:43 ☾ 22:02 07:50 तृतीया ३ 09:35 नक्षत्र: विशाखा 14:00 योग: सिद्धि 22:14 करण: भद्रा 09:35	**10 अप्रैल** ☀ 06:02 18:44 ☾ 23:07 08:34 चतुर्थी ४ 08:37 नक्षत्र: अनुराधा 13:39 योग: व्यतीपात 20:12 करण: बालव 08:37	**11 अप्रैल** ☀ 06:00 18:44 ☾ 00:12, 09:24 अप्रैल12 पञ्चमी ५ 07:17, षष्ठी नक्षत्र: ज्येष्ठा 12:58 योग: वरीयान् 17:53 करण: तैतिल 07:17	**12 अप्रैल** ☀ 05:59 18:45 ☾ 01:13, 10:23 अप्रैल 13 सप्तमी ७ 03:44, अप्रैल 13 नक्षत्र: मूल 11:59 योग: परिघ 15:20 करण: भद्रा 16:43	**13 अप्रैल** ☀ 05:58 18:45 ☾ 02:07, 11:28 अप्रैल14 अष्टमी ८ 01:34, अप्रैल 14 नक्षत्र: पू.षा. 10:43 योग: शिव 12:34 करण: बालव 14:40	**14 अप्रैल** ☀ 05:57 18:46 ☾ 02:54, 12:36 अप्रैल15 नवमी ९ 23:13 नक्षत्र: उ.षा. 09:14 योग: सिद्ध 09:37 करण: तैतिल 12:24	**15 अप्रैल** ☀ 05:56 18:47 ☾ 03:36, 13:46 अप्रैल16 दशमी १० 20:45 नक्षत्र: श्रवण 07:36 योग: साध्य 06:33 करण: वणिज 09:59
16 अप्रैल ☀ 05:55 18:47 ☾ 04:12, 14:53 अप्रैल 17 एकादशी ११ 08:14 नक्षत्र: शतभिषा 04:07, अप्रैल 17 योग: शुक्ल 00:13, अप्रैल 17 करण: बव 07:29	**17 अप्रैल** ☀ 05:54 18:48 ☾ 04:46, 15:59 अप्रैल18 द्वादशी १२ 15:46 नक्षत्र: पू. भा. 02:28, अप्रैल 18 योग: ब्रह्म 21:07 करण: तैतिल 15:46	**18 अप्रैल** ☀ 05:54 18:48 ☾ 05:18, 17:03 अप्रैल19 त्रयोदशी १३ 13:27 नक्षत्र: उ.भा. 01:01, अप्रैल 19 योग: इन्द्र 18:10 करण: वणिज 13:27	**19 अप्रैल** ☀ 05:52 18:49 ☾ 05:51, 18:06 अप्रैल 20 चतुर्दशी १४ 11:23 नक्षत्र: रेवती 23:53 योग: वैधृति 15:26 करण: शकुनि 11:23	**20 अप्रैल** ☀ 05:52 18:50 ☾ ---- 19:09 अमावस्या 09:41 नक्षत्र: अश्विनी 23:11 योग: विष्कम्भ 13:01 करण: नाग 09:41		इस पञ्चांग में सभी समय 24 घण्टा प्रारूप के अनुसार नई दिल्ली, भारत के स्थानीय समय के साथ दर्शाए गए हैं तथा लिखा हुआ समय उस तिथि, नक्षत्र, योग और करण की समाप्ति को बताता है। उस समय के बाद क्रम से अगली तिथि, नक्षत्र, योग तथा करण प्रारम्भ होगा। जहाँ समय नहीं लिखा है वहाँ अभिप्राय है कि वह पूर्ण रात्रि तक है।

वैशाख मास की खगोलीय घटनाएँ

14 अप्रैल - मेष संक्रान्ति = सूर्य का मीन राशि से मेष राशि में 15:12 प्रवेश, सौर नव वर्ष का पहला दिन।
20 अप्रैल - अमावस्या - संकरित/खग्रास सूर्य ग्रहण, भारत में नहीं है । ग्रीष्म ऋतु का प्रारम्भ ।
22 अप्रैल - बृहस्पति ग्रह का मेष राशि में 06:12 प्रवेश ।
2 मई - शुक्र ग्रह का मिथुन राशि में 14:00 प्रवेश ।
5 मई - उपच्छाया चन्द्र ग्रहण, यह वास्तव में चन्द्रग्रहण नहीं होता। इसलिए न तो इसे ग्रहण मानते हैं। प्रत्येक चन्द्रग्रहण होने से पहिले चन्द्रमा पृथ्वी की उपच्छाया में प्रवेश करता है, उसके बाद ही वह पृथ्वी की वास्तविक छाया में प्रवेश करता है। तभी उसे वास्तविक ग्रहण कहा जाता है।

शुक्ल पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
					21 अप्रैल ☀ 05:50 18:50 ☾ 06:26 20:12 प्रतिपदा १ 08:28 नक्षत्र: भरणी 22:59 योग: प्रीति 11:00 करण: बव 08:28	**22 अप्रैल** ☀ 05:49 18:51 ☾ 07:03 21:15 द्वितीया २ 07:49 नक्षत्र: कृतिका 23:24 योग: आयुष्मान् 09:26 करण: कौलव 07:49
23 अप्रैल ☀ 05:48 18:51 ☾ 07:45 22:17 तृतीया ३ 07:47 नक्षत्र: रोहिणी 00:27, अप्रैल 24 योग: सौभाग्य 08:22 करण: गर 07:47	**24 अप्रैल** ☀ 05:47 18:52 ☾ 08:32 23:15 चतुर्थी ४ 08:24 नक्षत्र: मृगशिरा 02:07, अप्रैल 25 योग: शोभन 07:49 करण: भद्रा 08:24	**25 अप्रैल** ☀ 05:46 18:52 ☾ 09:23 00:08, अप्रैल 26 पञ्चमी ५ 09:39 नक्षत्र: आर्द्रा 04:21, अप्रैल 26 योग: अतिगण्ड 07:45 करण: बालव 09:39	**26 अप्रैल** ☀ 05:45 18:53 ☾ 10:17 00:55, अप्रैल 27 षष्ठी ६ 11:27 नक्षत्र: पुनर्वसु योग: सुकर्मा 08:07 करण: तैतिल 11:27	**27 अप्रैल** ☀ 05:44 18:54 ☾ 11:13 01:37, अप्रैल 28 सप्तमी ७ 13:38 नक्षत्र: पुनर्वसु 07:00 योग: धृति 08:48 करण: वणिज 13:38	**28 अप्रैल** ☀ 05:43 18:54 ☾ 12:10 02:13, अप्रैल 29 अष्टमी ८ 16:01 नक्षत्र: पुष्य 09:53 योग: शूल 09:39 करण: बव 16:01	**29 अप्रैल** ☀ 05:43 18:55 ☾ 13:06 02:45, अप्रैल 30 नवमी ९ 18:22 नक्षत्र: आश्लेष 12:47 योग: गण्ड 10:32 करण: कौलव 18:22
30 अप्रैल ☀ 05:42 18:55 ☾ 14:00 03:15, मई 1 दशमी १० 20:28 नक्षत्र: मघा, 15:30 योग: वृद्धि 11:17 करण: तैतिल 07:27	**01 मई** ☀ 05:41 18:56 ☾ 14:55 03:43, मई 2 एकादशी ११ 22:09 नक्षत्र: पू.फा. 17:51 योग: ध्रुव 11:45 करण: वणिज 09:22	**02 मई** ☀ 05:40 18:57 ☾ 15:50 04:11, मई 3 द्वादशी १२ 23:17 नक्षत्र: उ.फा. 19:41 योग: व्याघात 11:50 करण: बव 10:48	**03 मई** ☀ 05:39 18:57 ☾ 16:45 04:40, मई 4 त्रयोदशी १३ 23:49 नक्षत्र: हस्त 20:56 योग: हर्षण 11:28 करण: कौलव 11:38	**04 मई** ☀ 05:38 18:58 ☾ 17:44 05:12, मई 5 चतुर्दशी १४ 23:44 नक्षत्र: चित्रा 21:35 योग: वज्र 10:37 करण: गर 11:51	**05 मई** ☀ 05:38 18:59 ☾ 18:45 ---- पूर्णिमा 23:03 नक्षत्र: स्वाती 21:40 योग: सिद्धि 09:17 करण: भद्रा 11:27	**06 मई** ☀ 05:37 18:59 ☾ 19:49 05:48 प्रतिपदा १ 21:52 नक्षत्र: विशाखा 21:13 योग: व्यतीपात 07:31 करण: बालव 10:31

दिवस विशेष व्रत/पर्व

7 अप्रैल - गुड फ्राइडे
8 अप्रैल - मंगल पाण्डे पुण्यतिथि
9 अप्रैल - ईस्टर सन्डे
10 अप्रैल - मोरारजी देसाई पुण्यतिथि
11 अप्रैल - ज्योतिबा फुले जयंती
13 अप्रैल - जलियाँ वाला बाग़ दिवस

14 अप्रैल - अम्बेडकर जयन्ती, वैसाखी
15 अप्रैल - बिहू (असम)
16 अप्रैल - वल्लभाचार्य जयन्ती
17 अप्रैल - प्रदोष व्रत, सर्वपल्ली राधाकृष्णन पुण्यतिथि
19 अप्रैल - दर्श अमावस्या
21 अप्रैल - जमात-उल-विदा
22 अप्रैल - ईदुल-फितर, परशुराम जयन्ती, अक्षय तृतीया, पृथ्वी दिवस

5 अप्रैल - शंकराचार्य जयन्ती, सूरदास जयन्ती
25 अप्रैल - रामानुज जयन्ती
27 अप्रैल - गंगा सप्तमी
1 मई - अन्तर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस, मोहिनी एकादशी
3 मई - प्रदोष व्रत
5 मई - बुद्ध पूर्णिमा

दिवस विशेष में -
नीला रंग = शासकीय अवकाश (GH)
हरा रंग = प्रतिबन्धित अवकाश (RH)

इग्नू
जन–जन का
विश्वविद्यालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

कालज्योति पञ्चाङ्ग

ज्येष्ठ मास

(06 मई - 04 जून , 2023 ई.)

ग्रीष्म ऋतु, उत्तरायण,
2080 विक्रम संवत्

G20 भारत 2023 INDIA

कृष्ण पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
30 अप्रैल ↑05:42 ↓18:55; ↑14:00 ↓03:15, मई 1 **दशमी १०** 20:28 नक्षत्र: मघा, 15:30 योग: वृद्धि 11:17 करण: तैतिल 07:27	**01 मई** ↑05:41 ↓18:56; ↑14:55 ↓03:43, मई 2 **एकादशी ११** 22:09 नक्षत्र: पू.फा. 17:51 योग: ध्रुव 11:45 करण: वणिज 09:22	**02 मई** ↑05:40 ↓18:57; ↑15:50 ↓04:11, मई 3 **द्वादशी १२** 23:17 नक्षत्र: उ.फा. 19:41 योग: व्याघात 11:50 करण: बव 10:48	**03 मई** ↑05:39 ↓18:57; ↑16:45 ↓04:40, मई 4 **त्रयोदशी १३** 23:49 नक्षत्र: हस्त 20:56 योग: हर्षण 11:28 करण: कौलव 11:38	**04 मई** ↑05:38 ↓18:58; ↑17:44 ↓05:12, मई 5 **चतुर्दशी १४** 23:44 नक्षत्र: चित्रा 21:35 योग: वज्र 10:37 करण: गर 11:51	**05 मई** ↑05:38 ↓18:59; ↑18:45 ↓--- **पूर्णिमा** 23:03 नक्षत्र: स्वाती 21:40 योग: सिद्धि 09:17 करण: भद्रा 11:27	**06 मई** ↑05:37 ↓18:59; ↑19:49 ↓05:48 **प्रतिपदा १** 21:52 नक्षत्र: विशाखा 21:13 योग: व्यतीपात 07:31 करण: बालव 10:31
07 मई ↑05:36 ↓19:00; ↑20:57 ↓06:29 **द्वितीया २** 20:15 नक्षत्र: अनुराधा 20:21 योग: परिघ 02:53, मई 8 करण: तैतिल 09:06	**08 मई** ↑05:35 ↓19:00; ↑22:04 ↓07:19 **तृतीया ३** 18:18 नक्षत्र: ज्येष्ठा 19: 10 योग: शिव 00:10, मई 9 करण: वणिज 07:19	**09 मई** ↑05:35 ↓19:01; ↑23:07 ↓08:16 **चतुर्थी ४** 16:08 नक्षत्र: मूल 17:45 योग: सिद्ध 21:16 करण: बालव 16:08	**10 मई** ↑05:34 ↓19:02; ↑00:04, मई 11 ↓09:20 **पञ्चमी ५** 13:49 नक्षत्र: पू.षा. 16:12 योग: साध्य 18:17 करण: तैतिल 13:49	**11 मई** ↑05:33 ↓19:02; ↑02:54, मई 12 ↓10:29 **षष्ठी ६** 11:27 नक्षत्र: उ.षा. 14:37 योग: शुभ 15:17 करण: वणिज 11:27	**12 मई** ↑05:33 ↓19:03; ↑01:36, मई 13 ↓11:37 **सप्तमी ७** 09:06 नक्षत्र: श्रवण 13:03 योग: शुक्ल 12:18 करण: बव 09:06	**13 मई** ↑05:32 ↓19:03; ↑02:13, मई 14 ↓12:45 **अष्टमी ८** 06:50, नवमी नक्षत्र: धनिष्ठा 11:35 योग: ब्रह्म 09:23 करण: कौलव 06:50
14 मई ↑05:31 ↓19:04; ↑02:47, मई 15 ↓13:50 **दशमी १०** 02:46, मई 15 नक्षत्र: शतभिषा 10:16 योग: इन्द्र 06:35 करण: वणिज 15:43	**15 मई** ↑05:31 ↓19:05; ↑03:18, मई 16 ↓14:52 **एकादशी ११** 01:03, मई 16 नक्षत्र: पू.भा. 09:08 योग: विष्कम्भ 01:30, मई 16 करण: बव 13:52	**16 मई** ↑05:30 ↓19:05; ↑03:50, मई17 ↓15:54 **द्वादशी १२** 23:36 नक्षत्र: उ.भा. 08:15 योग: प्रीति 23:16 करण: कौलव 12:17	**17 मई** ↑05:29 ↓19:06; ↑04:23, मई 18 ↓16:56 **त्रयोदशी १३** 22:28 नक्षत्र: रेवती 07:39 योग: आयुष्मान 21:18 करण: गर 10:59	**18 मई** ↑05:29 ↓19:06; ↑04:59, मई 19 ↓17:58 **चतुर्दशी १४** 21:42 नक्षत्र: अश्विनी 07:22 योग: सौभाग्य 19:37 करण: भद्रा 10:02	**19 मई** ↑05:28 ↓19:07; ↑--- ↓19:00 **अमावस्या** 21:22 नक्षत्र: भरणी 07:29 योग: शोभन 18:17 करण: चतुष्पाद 09:29	इस पञ्चांग में सभी समय 24 घण्टा प्रारूप के अनुसार नई दिल्ली, भारत के स्थानीय समय के साथ दर्शाए गए हैं तथा लिखा हुआ समय उस तिथि, नक्षत्र, योग और करण की समाप्ति को बताता है। उस समय के बाद क्रम से अगली तिथि, नक्षत्र, योग तथा करण प्रारम्भ होगा। जहाँ समय नहीं लिखा है वहाँ अभिप्राय है कि वह पूर्ण रात्रि तक है।

शुक्ल पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
04 जून ↑05:23 ↓19:16; ↑19:48 ↓--- **पूर्णिमा** 09:11 नक्षत्र: ज्येष्ठा 03:23, जून 5 योग: सिद्ध 11:59 करण: बव 09:11		ज्येष्ठ मास की खगोलीय घटनाएँ				**20 मई** ↑05:28 ↓19:08; ↑05:39 ↓20:03 **प्रतिपदा १** 21:30 नक्षत्र: कृतिका 08:03 योग: अतिगण्ड 17:18 करण: किंस्तुघ्न 09:22
21 मई ↑05:27 ↓19:08; ↑06:23 ↓21:03 **द्वितीया २** 22:09 नक्षत्र: रोहिणी 09:05 योग: सुकर्मा 16:44 करण: बालव 09:46	**22 मई** ↑05:27 ↓19:09; ↑07:13 ↓21:58 **तृतीया ३** 23:18 नक्षत्र: मृगशिरा 10:37 योग: धृति 16:34 करण: तैतिल 10:40	**23 मई** ↑05:27 ↓19:09; ↑08:06 ↓22:48 **चतुर्थी ४** 00:57, मई 24 नक्षत्र: आर्द्रा 12:39 योग: शूल 16:47 करण: वणिज 12:04	**24 मई** ↑05:26 ↓19:10; ↑09:02 ↓23:32 **पञ्चमी ५** 03:00, मई 25 नक्षत्र: पुनर्वसु 15:06 योग: गण्ड 17:20 करण: बव 13:56	**25 मई** ↑05:26 ↓19:11; ↑09:59 ↓00:11, मई 26 **षष्ठी ६** 05:19, मई 26 नक्षत्र: पुष्य 17:54 योग: वृद्धि 18:08 करण: कौलव 16:08	**26 मई** ↑05:25 ↓19:11; ↑10:55 ↓00:44, मई 27 **सप्तमी ७** नक्षत्र: आश्लेष 20:50 योग: ध्रुव 19:04 करण: गर 18:31	**27 मई** ↑05:25 ↓18:12; ↑11:50 ↓01:15, मई 28 **सप्तमी ७** 07:42 नक्षत्र: मघा 23:43 योग: व्याघात 19:58 करण: वणिज 07:42
28 मई ↑05:25 ↓19:12; ↑12:44 ↓01:43, मई 29 **अष्टमी ८** 09:56 नक्षत्र: पू.फा. 02:20, मई 29 योग: हर्षण 20:40 करण: बव 09:56	**29 मई** ↑05:24 ↓19:13; ↑13:38 ↓02:11, मई 30 **नवमी ९** 11:49 नक्षत्र: उ.फा. 04:29, मई 30 योग: वज्र 21:01 करण: कौलव 11:49	**30 मई** ↑05:24 ↓19:13; ↑14:32 ↓02:39, मई 31 **दशमी १०** 13:07 नक्षत्र: हस्त योग: सिद्धि 20:55 करण: गर 13:07	**31 मई** ↑05:24 ↓19:14; ↑15:29 ↓03:09, जून 1 **एकादशी ११** 13:45 नक्षत्र: हस्त 06:00 योग: व्यतीपात 20:15 करण: भद्रा 13:45	**01 जून** ↑05:24 ↓19:14; ↑16:28 ↓03:43, जून 2 **द्वादशी १२** 13:39 नक्षत्र: चित्रा 06:48 योग: वरीयान् 19:00 करण: बालव 13:39	**02 जून** ↑05:24 ↓19:15; ↑17:32 ↓04:22, जून 3 **त्रयोदशी १३** 12:48 नक्षत्र: स्वाती 06:53 योग: परिघ 17:10 करण: तैतिल 12:48	**03 जून** ↑05:23 ↓19:15; ↑18:39 ↓05:08, जून 4 **चतुर्दशी १४** 11:16 नक्षत्र: विशाखा 06:16 योग: शिव 14:48 करण: वणिज 11:16

ज्येष्ठ मास की खगोलीय घटनाएँ

10 मई - मंगल ग्रह का कर्क राशि में 14:13 प्रवेश ।
14 मई - नवमी तिथि का क्षय है ।
15 मई - वृषभ संक्रान्ति = सूर्य का मेष राशि से वृषभ राशि में 11:58 प्रवेश ।
30 मई - शुक्र ग्रह 19:51 से कर्क राशि में प्रवेश ।

दिवस विशेष व्रत/पर्व

6 मई - नारद जयन्ती, इष्टि
9 मई - रवीन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती
14 मई - मातृ दिवस
17 मई - प्रदोष व्रत
19 मई - वट सावित्री व्रत
22 मई - महाराणा प्रताप जयन्ती
28 मई - वीर सावरक जयंती
30 मई - गंगा दशहरा
31 मई - निर्जला एकादशी
1 जून - प्रदोष व्रत
3 जून - वट पूर्णिमा व्रत
4 जून - कबीरदास जयन्ती

दिवस विशेष में -
नीला रंग = शासकीय अवकाश (GH)
हरा रंग = प्रतिबन्धित अवकाश (RH)

इग्नू
जन–जन का
विश्वविद्यालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

कालज्योति पञ्चाङ्ग

आषाढ़ मास

(05 जून - 03 जुलाई , 2023 ई.)

ग्रीष्म/वर्षा ऋतु, उत्तरायण/ दक्षिणायन, 2080 विक्रम संवत्

G20 भारत 2023 INDIA

पक्ष	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
कृष्ण पक्ष	04 जून 05:23 19:16 / 19:48 --- पूर्णिमा 09:11 नक्षत्र: ज्येष्ठा 03:23, जून 5 योग: सिद्ध 11:59 करण: बव 09:11	05 जून 05:23 19:16 / 20:55 06:04 प्रतिपदा १ 06:38, द्वितीया नक्षत्र: मूल 01:23, जून 6 योग: साध्य 08:49 करण: कौलव 06:38	06 जून 05:23 19:17 / 21:56 07:07 तृतीया ३ 00:50, जून 7 नक्षत्र: पू.षा. 23:13 योग: शुभ 05:25 करण: वणिज 14:20	07 जून 05:23 19:17 / 22:50 08:17 चतुर्थी ४ 21:50 नक्षत्र: उ.षा. 21:02 योग: ब्रह्म 22:24 करण: बव 11:19	08 जून 05:23 19:18 / 23:35 09:28 पञ्चमी ५ 18:58 नक्षत्र: श्रवण 18:59 योग: इन्द्र 18:59 करण: कौलव 08:23	09 जून 05:23 19:18 / 00:14, जून 10 10:37 षष्ठी ६ 16:20 नक्षत्र: धनिष्ठा 17:09 योग: वैधृति 15:46 करण: गर 05:37	10 जून 05:23 19:18 / 00:49, जून 11 11:43 सप्तमी ७ 14:01 नक्षत्र: शतभिषा 15:39 योग: विष्कम्भ 12:49 करण: बव 14:01
	11 जून 05:23 19:19 / 01:21, जून 12 12:46 अष्टमी ८ 12:05 नक्षत्र: पू.भा. 14:32 योग: प्रीति 10:11 करण: कौलव 12:05	12 जून 05:23 19:19 / 01:52, जून 13 13:48 नवमी ९ 10:34 नक्षत्र: उ.भा. 13:49 योग: आयुष्मान् 07:53 करण: गर 10:34	13 जून 05:35 19:20 / 02:24, जून 14 14:48 दशमी १० 09:28 नक्षत्र: रेवती 13:32 योग: सौभाग्य 05:55 करण: भद्रा 09:28	14 जून 05:23 19:20 / 02:58, जून 15 15:49 एकादशी ११ 08:48 नक्षत्र: अश्विनी 13:40 योग: अतिगण्ड 03:01, जून 15 करण: बालव 08:48	15 जून 05:23 19:20 / 03:36, जून 16 16:51 द्वादशी १२ 08:32 नक्षत्र: भरणी 14:12 योग: सुकर्मा 02:03, जून 16 करण: तैतिल 08:32	16 जून 05:23 19:21 / 04:18, जून 17 17:52 त्रयोदशी १३ 08:39 नक्षत्र: कृतिका 15:07 योग: धृति 01:23, जून 17 करण: वणिज 08:39	17 जून 05:23 19:21 / 05:05, जून 18 18:52 चतुर्दशी १४ 09:11 नक्षत्र: रोहिणी 16:25 योग: शूल 01:02, जून 18 करण: शकुनि 09:11
	18 जून 05:23 19:21 / --- 19:50 अमावस्या 10:06 नक्षत्र: मृगशिरा 18:06 योग: गण्ड 01:00, जून 19 करण: नाग 10:06		**आषाढ़ मास की खगोलीय घटनाएँ**	6 जून - द्वितीया तिथि का क्षय । 7 जून - बुध ग्रह का वृषभ राशि में 19:58 बजे प्रवेश । 15 जून - सूर्य का मिथुन राशि में 18:29 बजे प्रवेश। 21 जून - वर्षा ऋतु प्रारम्भ, ग्रीष्म अयनकाल (यह एक खगोलीय घटना है जो वर्ष में दो बार होती है।) 24 जून - बुध ग्रह मिथुन राशि में 12:48 बजे प्रवेश ।			इस पञ्चांग में सभी समय 24 घण्टा प्रारूप के अनुसार नई दिल्ली, भारत के स्थानीय समय के साथ दर्शाए गए हैं तथा लिखा हुआ समय उस तिथि, नक्षत्र, योग और करण की समाप्ति को बताता है। उस समय के बाद क्रम से अगली तिथि, नक्षत्र, योग तथा करण प्रारम्भ होगा। जहाँ समय नहीं लिखा है वहाँ अभिप्राय है कि वह पूर्ण रात्रि तक है।
शुक्ल पक्ष		19 जून 05:23 19:21 / 05:57 20:42 प्रतिपदा १ 11:25 नक्षत्र: आर्द्रा 20:11 योग: वृद्धि 01:15, जून 20 करण: बव 11:25	20 जून 05:24 19:22 / 06:53 21:28 द्वितीया २ 13:07 नक्षत्र: पुनर्वसु 22:37 योग: ध्रुव 01:48, जून 21 करण: कौलव 13:07	21 जून 05:24 19:22 / 07:50 22:08 तृतीया ३ 15:09 नक्षत्र: पुष्य 01:21, जून 22 योग: व्याघात 02:35, जून 22 करण: गर 15:09	22 जून 05:24 19:22 / 08:46 22:43 चतुर्थी ४ 17:27 नक्षत्र: अश्लेशा 04:18, जून 23 योग: हर्षण 03:32, जून 23 करण: भद्रा 17:27	23 जून 05:24 19:22 / 09:41 23:15 पञ्चमी ५ 19:53 नक्षत्र: मघा योग: वज्र 04:32, जून 24 करण: बव 06:40	24 जून 05:24 19:23 / 10:35 23:43 षष्ठी ६ 22:17 नक्षत्र: मघा 07:19 योग: सिद्धि करण: कौलव 09:06
	25 जून 05:25 19:23 / 11:29 00:11, जून 26 सप्तमी ७ 00:25, जून 26 नक्षत्र: पू.फा. 10:11 योग: सिद्धि 05:27 करण: गर 11:23	26 जून 05:25 19:23 / 12:22 00:38, 27 जून अष्टमी ८ 02:04, जून 27 नक्षत्र: उ.फा. 12:44 योग: व्यतीपात 06:07 करण: भद्रा 13:19	27 जून 05:25 19:23 / 13:16 01:07, जून 28 नवमी ९ 03:05, जून 28 नक्षत्र: हस्त 14:43 योग: वरीयान् 06:24 करण: बालव 14:40	28 जून 05:26 19:23 / 14:13 01:38, जून 29 दशमी १० 03:18, जून 29 नक्षत्र: चित्रा 16:01 योग: परिघ 06:09 करण: तैतिल 15:17	29 जून 05:26 19:23 / 15:13 02:14, जून 30 एकादशी ११ 02:42, जून 30 नक्षत्र: स्वाती 16:30 योग: सिद्ध 03:44, जून 30 करण: वणिज 15:06	30 जून 05:26 19:23 / 16:18 02:56, जुलाई 1 द्वादशी १२ 01:16, जुलाई 1 नक्षत्र: विशाखा 16:10 योग: साध्य 01:32, जुलाई 1 करण: बव 14:05	01 जुलाई 05:27 19:23 / 17:26 03:47, जुलाई 2 त्रयोदशी १३ 23:07 नक्षत्र: अनुराधा 15:04 योग: शुभ 22:44 करण: कौलव 12:17
	02 जुलाई 05:27 19:23 / 18:34 04:48, जुलाई 3 चतुर्दशी १४ 20:21 नक्षत्र: ज्येष्ठा 13:18 योग: शुक्ल 19:26 करण: गर 09:48	03 जुलाई 05:27 19:23 / 19:40 --- पूर्णिमा 17:08 नक्षत्र: मूल 11:02 योग: ब्रह्म 15:45 करण: भद्रा 06:47	04 जुलाई 05:28 19:23 / 20:39 05:54 प्रतिपदा १ 13:38 नक्षत्र: पू.षा. 08:25 योग: इन्द्र 11:50 करण: कौलव 13:38	05 जुलाई 05:28 19:23 / 21:29 07:09 द्वितीया २ 10:02 नक्षत्र: उ.षा. 05:39 योग: वैधृति 07:48 करण: गर 10:02	06 जुलाई 05:29 19:23 / 22:12 08:22 तृतीया ३ 06:30, चतुर्थी नक्षत्र: धनिष्ठा 00:25, जुलाई 7 योग: प्रीति 00:00, जुलाई 7 करण: भद्रा 06:30	07 जुलाई 05:29 19:23 / 22:49 09:32 पञ्चमी ५ 00:17, जुलाई 8 नक्षत्र: शतभिषा 22:16 योग: आयुष्मान् 20:30 करण: कौलव 13:41	08 जुलाई 05:30 19:23 / 23:23 10:38 षष्ठी ६ 21:51 नक्षत्र: पू.भा. 20:36 योग: सौभाग्य 17:23 करण: गर 11:00

दिवस विशेष व्रत/पर्व

5 जून - विश्व पर्यावरण दिवस
11 जून - रामप्रसाद बिस्मिल जयंती
15 जून - प्रदोष व्रत
9 जून - आषाढ़ गुप्त नवरात्रि

20 जून - जगन्नाथ रथ यात्रा
21 जून - अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस
23 जून - श्यामाप्रसाद मुखर्जी पुण्यतिथि
29 जून - बकरीद/ईद-अल-अजहा
देवशयनी एकादशी,

1 जुलाई - प्रदोष व्रत
2 जुलाई - कोकिला व्रत
3 जुलाई - व्यास पूजा

दिवस विशेष में -
नीला रंग = शासकीय अवकाश (GH)
हरा रंग = प्रतिबन्धित अवकाश (RH)

इग्नू
जन–जन का विश्वविद्यालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कालज्योति पञ्चाङ्ग

श्रावण/अधिक मास

(04 जुलाई - 01 अगस्त , 2023 ई.)

वर्षा ऋतु, दक्षिणायन,
2080 विक्रम संवत्

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

G20 भारत 2023 INDIA

कृष्ण पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
02 जुलाई 05:27 19:23 / 18:34 04:48, जुलाई 3 चतुर्दशी १४ 20:21 नक्षत्र ज्येष्ठा 13:18 योग शुक्ल 19:26 करण गर 09:48	03 जुलाई 05:27 19:23 / 19:40 --- पूर्णिमा 17:08 नक्षत्र मूल 11:02 योग ब्रह्म 15:45 करण भद्रा 06:47	04 जुलाई 05:28 19:23 / 20:39 05:56 प्रतिपदा १ 13:38 नक्षत्र पू.षा. 08:25 योग इन्द्र 11:50 करण कौलव 13:38	05 जुलाई 05:28 19:23 / 21:29 07:09 द्वितीया २ 10:02 नक्षत्र उ.षा. 05:39 योग वैधृति 07:48 करण गर 10:02	06 जुलाई 05:29 19:23 / 22:12 08:22 तृतीया ३ 06:30, चतुर्थी नक्षत्र धनिष्ठा 00:25, जुलाई 7 योग प्रीति 00:00, जुलाई 7 करण भद्रा 06:30	07 जुलाई 05:29 19:23 / 22:49 09:32 पञ्चमी ५ 00:17, जुलाई 8 नक्षत्र शतभिषा 22:16 योग आयुष्मान् 20:30 करण कौलव 13:41	08 जुलाई 05:30 19:23 / 23:23 10:38 षष्ठी ६ 21:51 नक्षत्र पू.भा. 20:36 योग सौभाग्य 17:23 करण गर 11:00
09 जुलाई 05:30 19:22 / 23:54 11:41 सप्तमी ७ 19:59 नक्षत्र उ.भा. 19:29 योग शोभन 14:44 करण भद्रा 08:50	10 जुलाई 05:30 19:22 / 00:26, जुलाई 11 12:43 अष्टमी ८ 18:43 नक्षत्र रेवती 18:59 योग अतिगण्ड 12:34 करण बालव 07:17	11 जुलाई 05:31 19:22 / 01:00, जुलाई 12 13:44 नवमी ९ 18:04 नक्षत्र अश्विनी 19:04 योग सुकर्मा 10:53 करण तैतिल 06:19	12 जुलाई 05:31 19:22 / 01:36, जुलाई 13 14:45 दशमी १० 17:59 नक्षत्र भरणी 19:43 योग धृति 09:40 करण वणिज 05:57	13 जुलाई 05:32 19:22 / 02:16, जुलाई 14 15:46 एकादशी ११ 18:24 नक्षत्र कृत्तिका 20:52 योग शूल 08:53 करण बव 06:08	14 जुलाई 05:32 19:21 / 03:02, जुलाई 15 16:46 द्वादशी १२ 19:17 नक्षत्र रोहिणी 22:27 योग गण्ड 08:28 करण कौलव 06:47	15 जुलाई 05:23 19:21 / 03:02, जुलाई 16 17:44 त्रयोदशी १३ 20:32 नक्षत्र मृगशिरा 00:23, जुलाई 16 योग वृद्धि 08:22 करण गर 07:52
16 जुलाई 05:33 19:21 / 04:46, जुलाई 17 18:37 चतुर्दशी १४ 22:08 नक्षत्र आर्द्रा 02:39, जुलाई 17 योग ध्रुव 08:33 करण भद्रा 09:17	17 जुलाई 05:34 19:20 / --- 19:25 अमावस्या 00:01, जुलाई 18 नक्षत्र पुनर्वसु 05:11, जुलाई 18 योग व्याघात 08:58 करण चतुष्पाद 11:02					

श्रावण मास की खगोलीय घटनाएँ

6 जुलाई - चतुर्थी तिथि का क्षय । 01 अगस्त - चतुर्दशी तिथि का क्षय ।
8 जुलाई - बुध ग्रह का कर्क राशि में 12:19 बजे प्रवेश ।
17 जुलाई - सूर्य कर्क राशि में 05:19 बजे प्रवेश।
18 जुलाई - श्रावण अधिक मास प्रारम्भ । अधिक मास - सौर वर्ष और चंद्र वर्ष के बीच 11 दिन का अंतर होता है, जिस चंद्रमास में सूर्य-संक्रांति नहीं पड़ती, उसी को "अधिक मास" कहते हैं । इसमें कोई शुभ कार्य का मुहूर्त नहीं होता है ।

इस पञ्चांग में सभी समय 24 घण्टा प्रारूप के अनुसार नई दिल्ली, भारत के स्थानीय समय के साथ दर्शाए गए हैं तथा लिखा हुआ समय उस तिथि, नक्षत्र, योग और करण की समाप्ति को बताता है। उस समय के बाद क्रम से अगली तिथि, नक्षत्र, योग तथा करण प्रारम्भ होगा। जहाँ समय नहीं लिखा है वहाँ अभिप्राय है कि वह पूर्ण रात्रि तक है।

शुक्ल पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
		18 जुलाई 05:35 19:20 / 05:42 20:07 प्रतिपदा १ 02:09, जुलाई 19 नक्षत्र पुष्य योग हर्षण 09:37 करण किंस्तुघ्न 13:03	19 जुलाई 05:35 19:20 / 06:39 20:44 द्वितीया २ 04:30, जुलाई 20 नक्षत्र पुष्य 07:58 योग वज्र 10:26 करण बालव 15:18	20 जुलाई 05:36 19:19 / 07:35 21:16 तृतीया ३ नक्षत्र अश्लेशा 10:55 योग सिद्धि 11:23 करण तैतिल 17:43	21 जुलाई 05:36 19:19 / 08:29 21:45 तृतीया ३ 06:58 नक्षत्र मघा 13:58 योग व्यतीपात 12:24 करण गर 06:58	22 जुलाई 05:37 19:18 / 09:22 22:13 चतुर्थी ४ 09:26 नक्षत्र पू.फा. 16:58 योग वरीयान् 13:25 करण भद्रा 09:06
23 जुलाई 05:37 19:18 / 10:15 22:39 पञ्चमी ५ 11:44 नक्षत्र उ.फा. 19:47 योग परिघ 14:17 करण बालव 11:44	24 जुलाई 05:38 19:17 / 11:08 23:07 षष्ठी ६ 13:42 नक्षत्र हस्त 22:12 योग शिव 14:52 करण तैतिल 13:42	25 जुलाई 05:38 19:17 / 12:02 23:36 सप्तमी ७ 15:08 नक्षत्र चित्रा 00:03, जुलाई 26 योग सिद्ध 15:02 करण वणिज 15:08	26 जुलाई 05:39 19:16 / 13:00 00:09, जुलाई 27 अष्टमी ८ 15:52 नक्षत्र स्वाती 01:10, जुलाई 27 योग साध्य 14:39 करण बव 15:52	27 जुलाई 05:39 19:16 / 14:00 00:47, जुलाई 28 नवमी ९ 15:47 नक्षत्र विशाखा 01:28, जुलाई 28 योग शुभ 13:39 करण कौलव 15:47	28 जुलाई 05:40 19:15 / 15:05 01:32, जुलाई 29 दशमी १० 14:51 नक्षत्र अनुराधा 00:55, जुलाई 29 योग शुक्ल 11:57 करण गर 14:51	29 जुलाई 05:41 19:14 / 16:13 02:27, जुलाई 30 एकादशी ११ 13:05 नक्षत्र ज्येष्ठा 23:35 योग ब्रह्म 09:34 करण भद्रा 13:05
30 जुलाई 05:41 19:14 / 17:19 03:32, जुलाई 31 द्वादशी १२ 10:34 नक्षत्र मूल 21:32 योग इन्द्र 06:34 करण बालव 10:34	31 जुलाई 05:42 19:13 / 18:21 04:43, अगस्त 1 त्रयोदशी १३ 07:26, चतुर्दशी नक्षत्र पू.षा. 18:58 योग विष्कम्भ 23:05 करण तैतिल 07:26	01 अगस्त 05:42 19:12 / 19:16 --- पूर्णिमा 00:01, अगस्त 2 नक्षत्र उ.षा. 16:03 योग प्रीति 18:53 करण भद्रा 13:57	02 अगस्त 05:43 19:12 / 20:03 05:58 प्रतिपदा १ 20:05 नक्षत्र श्रवण 12:58 योग आयुष्मान् 14:34 करण बालव 10:03	03 अगस्त 05:43 19:11 / 20:44 07:11 द्वितीया २ 16:16 नक्षत्र धनिष्ठा 09:56 योग सौभाग्य 10:18 करण तैतिल 06:09	04 अगस्त 05:44 19:10 / 21:20 08:21 तृतीया ३ 12:45 नक्षत्र शतभिषा 07:08 योग शोभन 06:14 करण भद्रा 12:45	05 अगस्त 05:44 19:09 / 21:54 09:28 चतुर्थी ४ 09:39 नक्षत्र उ.भा. 02:54, अगस्त 6 योग सुकर्मा 23:12 करण बालव 09:39

दिवस विशेष व्रत/पर्व

2 जुलाई - प्रो. जी.राम रेड्डी स्मृति-व्याख्यान (इग्नू विशिष्ट दिवस)
4 जुलाई - स्वामी विवेकानंद पुण्यतिथि
6 जुलाई - गजानन संकष्टी चतुर्थी, श्यामाप्रसाद मुखर्जी जयंती
9 जुलाई -भानु सप्तमी, कालाष्टमी, मासिक कृष्ण जन्माष्टमी
14 जुलाई - प्रदोष व्रत
15 जुलाई - श्रावण शिवरात्रि
17 जुलाई - सोमवती अमावस्या
18 जुलाई - इष्टि
19 जुलाई - मंगल पाण्डेय जयंती
21 जुलाई - विनायक चतुर्थी
23 जुलाई - स्कन्द षष्ठी, लोकमान्य तिलक जयंती
23 जुलाई - चन्द्रशेखर आज़ाद जयंती
26 जुलाई - कारगिल युद्ध विजय
27 जुलाई - डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पुण्यतिथि
29 जुलाई - मुहर्रम, पद्मिनी एकादशी
30 जुलाई - प्रदोष व्रत

दिवस विशेष में -
नीला रंग = शासकीय अवकाश (GH)
हरा रंग = प्रतिबन्धित अवकाश (RH)

इग्नू
जन–जन का विश्वविद्यालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

कालज्योति पञ्चाङ्ग

अधिक/श्रावण मास

(02 अगस्त - 31 अगस्त , 2023 ई.)

वर्षा/शरद ऋतु, दक्षिणायन,
2080 विक्रम संवत्

G20 भारत 2023 INDIA

कृष्ण पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
30 जुलाई 05:41 19:14 17:19 03:32, जुलाई 31 द्वादशी १२ 10:34 नक्षत्र: मूल 21:32 योग: इन्द्र 06:34 करण: बालव 10:34	**31 जुलाई** 05:42 19:13 18:21 04:43, अगस्त 1 त्रयोदशी १३ 07:26, चतुर्दशी नक्षत्र: पू.षा. 18:58 योग: विष्कम्भ 23:05 करण: तैतिल 07:26	**01 अगस्त** 05:42 19:12 19:16 --- पूर्णिमा 00:01, अगस्त 2 नक्षत्र: उ.षा. 16:03 योग: प्रीति 18:53 करण: भद्रा 13:57	**02 अगस्त** 05:43 19:12 20:03 05:58 प्रतिपदा १ 20:05 नक्षत्र: श्रवण 12:58 योग: आयुष्मान् 14:34 करण: बालव 10:03	**03 अगस्त** 05:43 19:11 20:44 07:11 द्वितीया २ 16:16 नक्षत्र: धनिष्ठा 09:56 योग: सौभाग्य 10:18 करण: तैतिल 06:09	**04 अगस्त** 05:44 19:10 21:20 08:21 तृतीया ३ 12:45 नक्षत्र: शतभिषा 07:08 योग: शोभन 06:14 करण: भद्रा 12:45	**05 अगस्त** 05:44 19:09 21:54 09:28 चतुर्थी ४ 09:39 नक्षत्र: उ.भा. 02:54, अगस्त 6 योग: सुकर्मा 23:12 करण: बालव 09:39
06 अगस्त 05:45 19:09 22:26 10:33 पञ्चमी ५ 07:09, षष्ठी नक्षत्र: रेवती 01:43, अगस्त 7 योग: धृति 20:27 करण: तैतिल 07:09	**07 अगस्त** 05:46 19:08 23:00 11:35 सप्तमी ७ 04:14, अगस्त 8 नक्षत्र: अश्विनी 01:16, अगस्त 8 योग: शूल 18:17 करण: भद्रा 16:41	**08 अगस्त** 05:46 19:07 23:36 12:38 अष्टमी ८ 03:52, अगस्त 9 नक्षत्र: भरणी 01:32, अगस्त 9 योग: गण्ड 16:42 करण: बालव 15:57	**09 अगस्त** 05:47 19:06 00:15, अगस्त 10 13:40 नवमी ९ 04:11, अगस्त 10 नक्षत्र: कृत्तिका 02:29, अगस्त 10 योग: वृद्धि 15:41 करण: तैतिल 15:56	**10 अगस्त** 05:47 19:05 00:59, अगस्त 11 14:41 दशमी १० 05:06, अगस्त 11 नक्षत्र: रोहिणी 04:01, अगस्त 11 योग: ध्रुव 15:11 करण: वणिज 16:34	**11 अगस्त** 05:48 19:05 01:48, अगस्त 12 15:39 एकादशी ११ नक्षत्र: मृगशिरा योग: व्याघात 15:06 करण: बव 17:45	**12 अगस्त** 05:48 19:04 02:41, अगस्त 13 16:34 एकादशी ११ 06:31 नक्षत्र: मृगशिरा 06:02 योग: हर्षण 15:23 करण: बालव 06:31
13 अगस्त 05:49 19:03 03:37, अगस्त 14 17:23 द्वादशी १२ 08:19 नक्षत्र: आर्द्रा 08:26 योग: वज्र 15:56 करण: तैतिल 08:19	**14 अगस्त** 05:49 19:02 04:33, अगस्त 15 18:07 त्रयोदशी १३ 10:25 नक्षत्र: पुनर्वसु 11:07 योग: सिद्धि 16:40 करण: वणिज 10:25	**15 अगस्त** 05:50 19:01 05:29, अगस्त 16 18:45 चतुर्दशी १४ 12:42 नक्षत्र: पुष्य 13:59 योग: व्यतीपात 17:33 करण: शकुनि 12:42	**16 अगस्त** 05:51 19:00 --- 19:18 अमावस्या 15:07 नक्षत्र: अश्लेषा 16:57 योग: वरीयान् 18:31 करण: नाग 15:07			इस पञ्चांग में सभी समय 24 घण्टा प्रारूप के अनुसार नई दिल्ली, भारत के स्थानीय समय के साथ दर्शाए गए हैं तथा लिखा हुआ समय उस तिथि, नक्षत्र, योग और करण की समाप्ति को बताता है। उस समय के बाद क्रम से अगली तिथि, नक्षत्र, योग तथा करण प्रारम्भ होगा। जहाँ समय नहीं लिखा है वहाँ अभिप्राय है कि वह पूर्ण रात्रि तक है।

श्रावण मास की खगोलीय घटनाएँ

7 अगस्त - षष्ठी तिथि का क्षय ।
7 अगस्त - शुक्र ग्रह का कर्क राशि में 10:37 बजे होगा ।
16 अगस्त - श्रावण अधिक मास समाप्त । अधिक मास - एक सौर वर्ष 365 दिन और 6 घंटे का होता है, जबकि चंद्र वर्ष 354 दिनों का होता है। दोनों वर्षों के बीच 11 दिनों का अंतर होता है जो हर तीन वर्ष में लगभग एक मास के बराबर होता है। वास्तव में यह स्थिति स्वयं ही उत्पन्न हो जाती है, क्योंकि जिस चंद्रमास में सूर्य-संक्रांति नहीं पड़ती, उसी को "अधिक मास" कहते हैं ।
17 अगस्त - सूर्य का सिंह राशि में 13:44 बजे प्रवेश ।
23 अगस्त - शरद् ऋतु प्रारम्भ ।

शुक्ल पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
				17 अगस्त 05:51 18:59 06:24 19:48 प्रतिपदा १ 17:35 नक्षत्र: मघा 19:58 योग: परिघ 19:30 करण: बव 17:35	**18 अगस्त** 05:52 18:58 07:18 20:16 द्वितीया २ 20:01 नक्षत्र: पू.फा. 22:57 योग: शिव 20:28 करण: बालव 06:48	**19 अगस्त** 05:52 18:57 08:10 20:43 तृतीया ३ 22:19 नक्षत्र: उ.फा. 01:47, अगस्त 20 योग: सिद्ध 21:19 करण: तैतिल 09:11
20 अगस्त 05:53 18:56 09:03 21:09 चतुर्थी ४ 00:21, अगस्त 21 नक्षत्र: हस्त 04:22, अगस्त 21 योग: साध्य 21:59 करण: वणिज 11:23	**21 अगस्त** 05:53 18:55 09:57 21:37 पञ्चमी ५ 02:00, अगस्त 22 नक्षत्र: चित्रा योग: शुभ 22:21 करण: बव 13:14	**22 अगस्त** 05:54 18:54 10:52 22:08 षष्ठी ६ 03:05, अगस्त 23 नक्षत्र: चित्रा 06:31 योग: शुक्ल 22:18 करण: कौलव 14:37	**23 अगस्त** 05:54 18:53 11:50 22:43 सप्तमी ७ 03:31, अगस्त 24 नक्षत्र: स्वाती 08:08 योग: ब्रह्म 21:45 करण: गर 15:23	**24 अगस्त** 05:55 18:52 12:52 23:24 अष्टमी ८ 03:10, अगस्त 25 नक्षत्र: विशाखा 09:04 योग: इन्द्र 20:37 करण: भद्रा 15:26	**25 अगस्त** 05:55 18:51 13:56 00:13, अगस्त 26 नवमी ९ 02:02, अगस्त 26 नक्षत्र: अनुराधा 09:14 योग: वैधृति 18:51 करण: बालव 14:42	**26 अगस्त** 05:56 18:50 15:01 01:12, अगस्त 27 दशमी १० 00:08, अगस्त 27 नक्षत्र: ज्येष्ठा 08:37 योग: विष्कम्भ 16:27 करण: तैतिल 13:10
27 अगस्त 05:56 18:49 16:04 02:19, अगस्त 28 एकादशी ११ 21:32 नक्षत्र: मूल 07:16 योग: प्रीति 13:27 करण: वणिज 10:55	**28 अगस्त** 05:57 18:48 17:01 03:31, अगस्त 29 द्वादशी १२ 18:22 नक्षत्र: उ.षा. 02:43, अगस्त 29 योग: आयुष्मान् 09:56 करण: बव 08:01	**29 अगस्त** 05:57 18:46 17:51 04:45, अगस्त 30 त्रयोदशी १३ 14:47 नक्षत्र: श्रवण 23:50 योग: सौभाग्य 06:02 करण: तैतिल 14:47	**30 अगस्त** 05:58 18:45 18:35 05:57, अगस्त 31 चतुर्दशी १४ 10:58 नक्षत्र: धनिष्ठा 20:47 योग: अतिगण्ड 21:33 करण: वणिज 10:58	**31 अगस्त** 05:58 18:44 19:13 --- पूर्णिमा 07:05, प्रतिपदा नक्षत्र: शतभिषा 17:45 योग: सुकर्मा 17:16 करण: बव 07:05	**01 सितम्बर** 05:59 18:43 19:49 08:43 द्वितीया २ 23:50 नक्षत्र: पू.भा. 14:56 योग: धृति 13:10 करण: तैतिल 13:31	**02 सितम्बर** 05:59 18:42 20:22 08:14 तृतीया ३ 20:49 नक्षत्र: उ.भा. 12:30 योग: शूल 09:22 करण: वणिज 10:15

दिवस विशेष व्रत/पर्व

2 अगस्त - इष्टि
4 अगस्त - विभुवन संकष्टी चतुर्थी
7 अगस्त - रवीन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती
6 अगस्त - मित्रता दिवस
11 अगस्त - खुदीराम बोस जयन्ती
12 अगस्त - परम एकादशी
13 अगस्त - प्रदोष व्रत
15 अगस्त - स्वतंत्रता दिवस
16 अगस्त - पारसी नववर्ष
20 अगस्त - विनायक चतुर्थी
19 अगस्त - हरियाली तीज
21 अगस्त - नाग पञ्चमी
22 अगस्त - कल्की जयन्ती
23 अगस्त - तुलसीदास जयन्ती
24 अगस्त - राजगुरु जयन्ती
27 अगस्त - पुत्रदा एकादशी
28 अगस्त - प्रदोष व्रत
29 अगस्त - ओणम
30 अगस्त - रक्षा बन्धन

दिवस विशेष में -
नीला रंग = शासकीय अवकाश (GH)
हरा रंग = प्रतिबन्धित अवकाश (RH)

इग्नू
जन–जन का
विश्वविद्यालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कालज्योति पञ्चाङ्ग

भाद्रपद मास

(01 सितम्बर - 29 सितम्बर , 2023 ई.)

शरद ऋतु, दक्षिणायन,
2080 विक्रम संवत्

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

G20 भारत 2023 INDIA

	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
कृष्ण पक्ष	**27 अगस्त** ☀ ↑05:56 ↓18:49 ☾ ↑16:04 ↓02:19, अगस्त 28 **एकादशी ११** 21:32 नक्षत्र: मूल 07:16 योग: प्रीति 13:27 करण: वणिज 10:55	**28 अगस्त** ☀ ↑05:57 ↓18:48 ☾ ↑17:01 ↓03:31, अगस्त 29 **द्वादशी १२** 18:22 नक्षत्र: उ.षा. 02:43, अगस्त 29 योग: आयुष्मान् 09:56 करण: बव 08:01	**29 अगस्त** ☀ ↑05:57 ↓18:46 ☾ ↑17:51 ↓04:45, अगस्त 30 **त्रयोदशी १३** 14:47 नक्षत्र: श्रवण 23:50 योग: सौभाग्य 06:02 करण: तैतिल 14:47	**30 अगस्त** ☀ ↑05:58 ↓18:45 ☾ ↑18:35 ↓05:57, अगस्त 31 **चतुर्दशी १४** 10:58 नक्षत्र: धनिष्ठा 20:47 योग: अतिगण्ड 21:33 करण: वणिज 10:58	**31 अगस्त** ☀ ↑05:58 ↓18:44 ☾ ↑19:13 ↓--- **पूर्णिमा** 07:05, प्रतिपदा नक्षत्र: शतभिषा 17:45 योग: सुकर्मा 17:16 करण: बव 07:05	**01 सितम्बर** ☀ ↑05:59 ↓18:43 ☾ ↑19:49 ↓08:43 **द्वितीया २** 23:50 नक्षत्र: पू.भा. 14:56 योग: धृति 13:10 करण: तैतिल 13:31	**02 सितम्बर** ☀ ↑05:59 ↓18:42 ☾ ↑20:22 ↓08:14 **तृतीया ३** 20:49 नक्षत्र: उ.भा. 12:30 योग: शूल 09:22 करण: वणिज 10:15
	03 सितम्बर ☀ ↑06:00 ↓18:41 ☾ ↑20:57 ↓09:20 **चतुर्थी ४** 18:24 नक्षत्र: रेवती 10:38 योग: गण्ड 06:01 करण: बव 07:31	**04 सितम्बर** ☀ ↑06:00 ↓18:40 ☾ ↑21:33 ↓10:24 **पञ्चमी ५** 16:41 नक्षत्र: अश्विनी 09:26 योग: ध्रुव 00:59, सितम्बर 5 करण: तैतिल 16:41	**05 सितम्बर** ☀ ↑06:01 ↓18:39 ☾ ↑22:12 ↓11:29 **षष्ठी ६** 15:46 नक्षत्र: भरणी 09:00 योग: व्याघात 23:24 करण: वणिज 15:46	**06 सितम्बर** ☀ ↑06:01 ↓18:37 ☾ ↑22:55 ↓12:32 **सप्तमी ७** 15:37 नक्षत्र: कृत्तिका 09:20 योग: हर्षण 22:26 करण: बव 15:37	**07 सितम्बर** ☀ ↑06:02 ↓18:36 ☾ ↑23:43 ↓13:33 **अष्टमी ८** 16:14 नक्षत्र: रोहिणी 10:25 योग: वज्र 22:02 करण: कौलव 16:14	**08 सितम्बर** ☀ ↑06:02 ↓18:35 ☾ ↑00:35, सितम्बर 9 ↓14:30 **नवमी ९** 17:30 नक्षत्र: मृगशिरा 12:09 योग: सिद्धि 22:07 करण: गर 17:30	**09 सितम्बर** ☀ ↑06:03 ↓18:34 ☾ ↑01:31, सितम्बर 10 ↓15:21 **दशमी १०** 19:17 नक्षत्र: आर्द्रा 14:26 योग: व्यतीपात 22:36 करण: वणिज 06:20
	10 सितम्बर ☀ ↑06:03 ↓18:33 ☾ ↑02:27, सितम्बर 11 ↓16:06 **एकादशी ११** 21:28 नक्षत्र: पुनर्वसु 17:06 योग: वरीयान् 23:20 करण: बव 08:20	**11 सितम्बर** ☀ ↑06:04 ↓18:31 ☾ ↑03:24, सितम्बर 12 ↓16:46 **द्वादशी १२** 23:52 नक्षत्र: पुष्य 20:01 योग: परिघ 00:14, सितम्बर 12 करण: कौलव 10:39	**12 सितम्बर** ☀ ↑06:04 ↓18:30 ☾ ↑04:19, सितम्बर 13 ↓17:20 **त्रयोदशी १३** 02:21, सितम्बर 13 नक्षत्र: अश्लेषा 23:01 योग: शिव 01:12, सितम्बर 13 करण: गर 13:06	**13 सितम्बर** ☀ ↑06:05 ↓18:29 ☾ ↑05:13, सितम्बर 14 ↓17:51 **चतुर्दशी १४** 04:48, सितम्बर 14 नक्षत्र: मघा 02:01, सितम्बर 14 योग: सिद्ध 02:08, सितम्बर 14 करण: भद्रा 15:35	**14 सितम्बर** ☀ ↑06:05 ↓18:28 ☾ ↑--- ↓18:20 **अमावस्या** नक्षत्र: पू.फा. 04:54, सितम्बर 15 योग: साध्य 03:00, सितम्बर 15 करण: चतुष्पाद 18:00	**15 सितम्बर** ☀ ↑06:06 ↓18:27 ☾ ↑06:06 ↓18:46 **अमावस्या** 07:09 नक्षत्र: उ.फा. योग: शुभ 03:42, सितम्बर 16 करण: नाग 07:09	इस पञ्चांग में सभी समय 24 घण्टा प्रारूप के अनुसार नई दिल्ली, भारत के स्थानीय समय के साथ दर्शाए गए हैं तथा लिखा हुआ समय उस तिथि, नक्षत्र, योग और करण की समाप्ति को बताता है। उस समय के बाद क्रम से अगली तिथि, नक्षत्र, योग तथा करण प्रारम्भ होगा। जहाँ समय नहीं लिखा है वहाँ अभिप्राय है कि वह पूर्ण रात्रि तक है।
शुक्ल पक्ष	**भाद्रपद मास की खगोलीय घटनाएँ**	(see below)					**16 सितम्बर** ☀ ↑06:06 ↓18:26 ☾ ↑06:59 ↓19:13 **प्रतिपदा १** 09:17 नक्षत्र: उ.फा. 07:36 योग: शुक्ल 04:13, सितम्बर 17 करण: बव 09:17
	17 सितम्बर ☀ ↑06:07 ↓18:24 ☾ ↑07:52 ↓19:41 **द्वितीया २** 11:08 नक्षत्र: हस्त 10:02 योग: ब्रह्म 04:28, सितम्बर 18 करण: कौलव 11:08	**18 सितम्बर** ☀ ↑06:07 ↓18:23 ☾ ↑08:47 ↓20:10 **तृतीया ३** 12:39 नक्षत्र: चित्रा 12:08 योग: इन्द्र 04:24, सितम्बर 19 करण: गर 12:39	**19 सितम्बर** ☀ ↑06:08 ↓18:22 ☾ ↑09:45 ↓20:44 **चतुर्थी ४** 13:43 नक्षत्र: स्वाती 13:48 योग: वैधृति 03:58 करण: भद्रा 13:43	**20 सितम्बर** ☀ ↑06:08 ↓18:21 ☾ ↑10:45 ↓21:22 **पञ्चमी ५** 14:16 नक्षत्र: विशाखा 14:59 योग: विष्कुम्भ 03:06, सितम्बर 21 करण: बालव 14:16	**21 सितम्बर** ☀ ↑06:09 ↓18:19 ☾ ↑11:47 ↓22:07 **षष्ठी ६** 14:14 नक्षत्र: अनुराधा 15:35 योग: प्रीति 01:45, सितम्बर 22 करण: तैतिल 14:14	**22 सितम्बर** ☀ ↑06:09 ↓18:18 ☾ ↑12:51 ↓23:01 **सप्तमी ७** 13:35 नक्षत्र: ज्येष्ठा 15:34 योग: आयुष्मान् 23:53 करण: वणिज 13:35	**23 सितम्बर** ☀ ↑06:10 ↓18:17 ☾ ↑13:53 ↓00:02, सितम्बर 24 **अष्टमी ८** 12:17 नक्षत्र: मूल 14:56 योग: सौभाग्य 21:31 करण: बव 12:17
	24 सितम्बर ☀ ↑06:10 ↓18:16 ☾ ↑14:50 ↓01:10, सितम्बर 25 **नवमी ९** 10:23 नक्षत्र: पू.षा. 13:42 योग: शोभन 18:40 करण: कौलव 10:23	**25 सितम्बर** ☀ ↑06:11 ↓18:15 ☾ ↑15:42 ↓02:21, सितम्बर 26 **दशमी १०** 05:00, एकादशी नक्षत्र: उ.षा. 11:55 योग: अतिगण्ड 15:23 करण: गर 07:55	**26 सितम्बर** ☀ ↑06:11 ↓18:13 ☾ ↑16:26 ↓03:32, सितम्बर 27 **द्वादशी १२** 01:45, सितम्बर 27 नक्षत्र: श्रवण 09:42 योग: सुकर्मा 11:46 करण: बव 15:25	**27 सितम्बर** ☀ ↑06:12 ↓18:12 ☾ ↑17:06 ↓04:42, सितम्बर 28 **त्रयोदशी १३** 22:18 नक्षत्र: धनिष्ठा 07:10 योग: धृति 07:54 करण: कौलव 12:03	**28 सितम्बर** ☀ ↑06:12 ↓18:11 ☾ ↑17:42 ↓05:50, सितम्बर 29 **चतुर्दशी १४** 18:49 नक्षत्र: पू.भा. 01:48, सितम्बर 29 योग: गण्ड 23:55 करण: गर 08:33	**29 सितम्बर** ☀ ↑06:13 ↓18:10 ☾ ↑18:12 ↓--- **पूर्णिमा** 15:26 नक्षत्र: उ.भा. 23:18 योग: वृद्धि 20:03 करण: बव 15:26	**30 सितम्बर** ☀ ↑06:13 ↓18:09 ☾ ↑18:51 ↓06:57 **प्रतिपदा १** 12:21 नक्षत्र: रेवती 21:08 योग: ध्रुव 16:27 करण: कौलव 12:21

भाद्रपद मास की खगोलीय घटनाएँ

1 सितम्बर - प्रतिपदा तिथि का क्षय।

17 सितम्बर - कन्या संक्रान्ति = सूर्य का सिंह राशि से कन्या राशि में 13:42 बजे प्रवेश। सूर्य के राशि बदलने को संक्रांति कहते हैं।

26 सितम्बर - एकादशी तिथि का क्षय ।

तिथि का ज्ञान सूर्य और चंद्रमा की गति से होता है । सूर्य और चन्द्रमा एक साथ एक ही अंश पर होते हैं तो वह अमावस्या का समय होता है। सूर्य और चंद्रमा के मध्य जब अंतर आने लगता है तो प्रतिपदा का आरंभ होता है और ये अंतर 12 अंश समाप्त होने पर प्रतिपदा समाप्त हो जाती है और इसी के साथ द्वितीया का आरंभ होता है। तिथि वृद्धि और तिथि क्षय होने का मुख्य कारण चंद्रमा की गति का होना है। चन्द्रमा की यह गति कम और ज्यादा होती रहती है। चन्द्रमा कभी तेज चलते हुए 12 अंश की दूरी को कम समय में पार कर लेता है और कभी कभी धीमा चलते हुए अधिक समय लेकर पूरा करता है। जब कोई तिथि सूर्योदय के बाद से शुरू होती है और अगले दिन सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो जाती है, तो इसे क्षय होना अर्थात् कम होना कहा जाता है । जिसे हम तिथि क्षय कहते हैं ।

दिवस विशेष व्रत/पर्व

- 2 सितम्बर - कजरी तीज
- 3 सितम्बर - संकष्टी चतुर्थी
- 5 सितम्बर - बलराम जयन्ती, शिक्षक दिवस
- 6 सितम्बर - कृष्ण जन्माष्टमी (स्मार्त)
- 7 सितम्बर - कृष्ण जन्माष्टमी
- 10 सितम्बर - अजा एकादशी
- 12 सितम्बर - प्रदोष व्रत
- 14 सितम्बर - हिन्दी दिवस
- 15 सितम्बर - विश्वेश्वरैया जयन्ती,अभियंता दिवस
- 17 सितम्बर - वराह जयन्ती
- 18 सितम्बर - हरतालिका तीज
- 19 सितम्बर - गणेश चतुर्थी
- 20 सितम्बर - ऋषि पञ्चमी
- 25 सितम्बर - परिवर्तिनी एकादशी
- 26 सितम्बर - वामन जयन्ती
- 27 सितम्बर - प्रदोष व्रत
- 29 सितम्बर - पितृपक्ष/श्राद्ध प्रारम्भ

दिवस विशेष में -
नीला रंग = शासकीय अवकाश (GH)
हरा रंग = प्रतिबन्धित अवकाश (RH)

इग्नू
जन–जन का
विश्वविद्यालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

कालज्योति पञ्चाङ्ग

आश्विन मास

(30 सितम्बर - 28 अक्टूबर , 2023 ई.)

शरद/हेमन्त ऋतु, दक्षिणायन, 2080 विक्रम संवत्

G20 भारत 2023 INDIA

पक्ष	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
कृष्ण पक्ष	**24 सितम्बर** ↑06:10 ↓18:16 / ↑14:50 ↓01:10, सितम्बर 25 **नवमी ९** 10:23 नक्षत्र: पू.षा. 13:42 योग: शोभन 18:40 करण: कौलव 10:23	**25 सितम्बर** ↑06:11 ↓18:15 / ↑15:42 ↓02:21, सितम्बर 26 **दशमी १०** 05:00, एकादशी नक्षत्र: उ.षा. 11:55 योग: अतिगण्ड 15:23 करण: गर 07:55	**26 सितम्बर** ↑06:11 ↓18:13 / ↑16:26 ↓03:32, सितम्बर 27 **द्वादशी १२** 01:45, सितम्बर 27 नक्षत्र: श्रवण 09:42 योग: सुकर्मा 11:46 करण: बव 15:25	**27 सितम्बर** ↑06:12 ↓18:12 / ↑17:06 ↓04:42, सितम्बर 28 **त्रयोदशी १३** 22:18 नक्षत्र: धनिष्ठा 07:10 योग: धृति 07:54 करण: कौलव 12:03	**28 सितम्बर** ↑06:12 ↓18:11 / ↑17:42 ↓05:50, सितम्बर 29 **चतुर्दशी १४** 18:49 नक्षत्र: पू.भा. 01:48, सितम्बर 29 योग: गण्ड 23:55 करण: गर 08:33	**29 सितम्बर** ↑06:13 ↓18:10 / ↑18:12 ↓--- **पूर्णिमा** 15:26 नक्षत्र: उ.भा. 23:18 योग: वृद्धि 20:03 करण: बव 15:26	**30 सितम्बर** ↑06:13 ↓18:09 / ↑18:51 ↓06:57 **प्रतिपदा १** 12:21 नक्षत्र: रेवती 21:08 योग: ध्रुव 16:27 करण: कौलव 12:21
	01 अक्टूबर ↑06:14 ↓18:08 / ↑19:26 ↓08:04 **द्वितीया २** 09:41 नक्षत्र: अश्विनी 19:27 योग: व्याघात 13:14 करण: गर 09:41	**02 अक्टूबर** ↑06:14 ↓18:06 / ↑20:05 ↓09:10 **तृतीया ३** 07:36, चतुर्थी नक्षत्र: भरणी 18:24 योग: हर्षण 10:29 करण: भद्रा 07:36	**03 अक्टूबर** ↑06:15 ↓18:05 / ↑20:47 ↓10:16 **पञ्चमी ५** 05:33, अक्टूबर 4 नक्षत्र: कृत्तिका 18:04 योग: वज्र 08:18 करण: कौलव 17:46	**04 अक्टूबर** ↑06:15 ↓18:04 / ↑21:35 ↓11:20 **षष्ठी ६** 05:41 नक्षत्र: रोहिणी 18:29 योग: सिद्धि 06:43 करण: गर 17:31	**05 अक्टूबर** ↑06:16 ↓18:03 / ↑22:27 ↓12:21 **सप्तमी ७** नक्षत्र: मृगशिरा 19:40 योग: वरीयान् 05:23, अक्टूबर 6 करण: भद्रा 18:02	**06 अक्टूबर** ↑06:16 ↓18:02 / ↑23:22 ↓13:15 **सप्तमी ७** 06:34 नक्षत्र: आर्द्रा 21:32 योग: परिघ 05:31, अक्टूबर 7 करण: बव 06:34	**07 अक्टूबर** ↑06:17 ↓18:01 / ↑00:19, अक्टूबर 8 ↓14:03 **अष्टमी ८** 08:08 नक्षत्र: पुनर्वसु 23:57 योग: शिव 06:03, अक्टूबर 8 करण: कौलव 08:08
	08 अक्टूबर ↑06:17 ↓18:00 / ↑01:16, अक्टूबर 9 ↓14:45 **नवमी ९** 10:12 नक्षत्र: पुष्य 02:45, अक्टूबर 9 योग: सिद्ध करण: गर 10:12	**09 अक्टूबर** ↑06:18 ↓17:58 / ↑02:12, अक्टूबर 10 ↓15:21 **दशमी १०** 12:36 नक्षत्र: अश्लेशा 05:45, अक्टूबर 10 योग: सिद्ध 06:51 करण: भद्रा 12:36	**10 अक्टूबर** ↑06:19 ↓17:57 / ↑03:06, अक्टूबर 11 ↓15:53 **एकादशी ११** 15:08 नक्षत्र: मघा योग: साध्य 07:47 करण: बालव 15:08	**11 अक्टूबर** ↑06:19 ↓17:56 / ↑04:00, अक्टूबर 12 ↓16:22 **द्वादशी १२** 17:37 नक्षत्र: मघा 08:45 योग: शुभ 08:42 करण: तैतिल 17:37	**12 अक्टूबर** ↑06:20 ↓17:55 / ↑04:53, अक्टूबर 13 ↓16:50 **त्रयोदशी १३** 19:53 नक्षत्र: पू.फा. 11:36 योग: शुक्ल 09:30 करण: गर 06:47	**13 अक्टूबर** ↑06:20 ↓17:54 / ↑05:46, अक्टूबर 14 ↓17:16 **चतुर्दशी १४** 21:50 नक्षत्र: उ.फा. 14:11 योग: ब्रह्म 10:06 करण: भद्रा 08:54	**14 अक्टूबर** ↑06:21 ↓17:53 / ↑--- ↓17:44 **अमावस्या** 23:24 नक्षत्र: हस्त 14:11 योग: इन्द्र 10:25 करण: चतुष्पाद 10:40
शुक्ल पक्ष	**15 अक्टूबर** ↑06:22 ↓17:52 / ↑06:41 ↓18:13 **प्रतिपदा १** 00:32, अक्टूबर 16 नक्षत्र: चित्रा 18:13 योग: वैधृति 10:25 करण: किंस्तुघ्न 12:01	**16 अक्टूबर** ↑06:22 ↓17:51 / ↑07:39 ↓18:45 **द्वितीया २** 01:13, अक्टूबर 17 नक्षत्र: स्वाती 19:35 योग: विष्कम्भ 10:04 करण: बालव 12:56	**17 अक्टूबर** ↑06:23 ↓17:50 / ↑08:38 ↓19:22 **तृतीया ३** 01:26, अक्टूबर 18 नक्षत्र: विशाखा 20:31 योग: प्रीति 09:22 करण: तैतिल 13:23	**18 अक्टूबर** ↑06:23 ↓17:49 / ↑09:41 ↓20:05 **चतुर्थी ४** 01:12, अक्टूबर 19 नक्षत्र: अनुराधा 21:01 योग: आयुष्मान् 08:19 करण: वणिज 13:22	**19 अक्टूबर** ↑06:24 ↓17:48 / ↑00:31, अक्टूबर 20 ↓20:56 **पञ्चमी ५** 00:31, अक्टूबर 20 नक्षत्र: ज्येष्ठा 21:04 योग: सौभाग्य 06:54 करण: बव 12:55	**20 अक्टूबर** ↑06:25 ↓17:47 / ↑11:47 ↓21:55 **षष्ठी ६** 23:24 नक्षत्र: मूल 20:41 योग: अतिगण्ड 03:03, अक्टूबर 21 करण: कौलव 12:01	**21 अक्टूबर** ↑06:25 ↓17:46 / ↑12:45 ↓22:59 **सप्तमी ७** 21:53 नक्षत्र: पू.षा. 19:54 योग: सुकर्मा 00:37, अक्टूबर 22 करण: गर 10:41
	22 अक्टूबर ↑06:26 ↓17:45 / ↑13:37 ↓00:07, अक्टूबर 23 **अष्टमी ८** 19:58 नक्षत्र: उ.षा. 18:44 योग: धृति 21:53 करण: भद्रा 08:58	**23 अक्टूबर** ↑06:27 ↓17:44 / ↑14:22 ↓01:16, अक्टूबर 24 **नवमी ९** 17:44 नक्षत्र: श्रवण 17:14 योग: शूल 18:53 करण: बालव 06:54	**24 अक्टूबर** ↑06:27 ↓17:43 / ↑15:02 ↓02:24, अक्टूबर 25 **दशमी १०** 15:14 नक्षत्र: धनिष्ठा 15:28 योग: गण्ड 15:40 करण: गर 15:14	**25 अक्टूबर** ↑06:28 ↓17:42 / ↑15:38 ↓03:31, अक्टूबर 26 **एकादशी ११** 12:32 नक्षत्र: शतभिषा 13:30 योग: वृद्धि 12:18 करण: भद्रा 12:32	**26 अक्टूबर** ↑06:28 ↓17:41 / ↑16:12 ↓04:36, अक्टूबर 27 **द्वादशी १२** 09:44 नक्षत्र: पू.भा. 11:27 योग: ध्रुव 08:50 करण: बालव 09:44	**27 अक्टूबर** ↑06:29 ↓17:40 / ↑16:45 ↓05:42, अक्टूबर 28 **त्रयोदशी १३** 06:56, चतुर्दशी नक्षत्र: उ.भा. 09:25 योग: हर्षण 02:02, अक्टूबर 28 करण: तैतिल 06:56	**28 अक्टूबर** ↑06:30 ↓17:40 / ↑17:20 ↓--- **पूर्णिमा** 01:53, अक्टूबर 29 नक्षत्र: रेवती 07:31 योग: वज्र 22:52 करण: भद्रा 15:02
	29 अक्टूबर ↑06:31 ↓17:39 / ↑17:56 ↓06:48 **प्रतिपदा १** 23:52 नक्षत्र: भरणी 04:42, अक्टूबर 30 योग: सिद्धि 20:01 करण: बालव 12:49	**30 अक्टूबर** ↑06:31 ↓17:38 / ↑18:37 ↓07:55 **द्वितीया २** 22:22 नक्षत्र: कृत्तिका 04:01, अक्टूबर 31 योग: व्यतीपात 17:33 करण: तैतिल 11:03	**31 अक्टूबर** ↑06:32 ↓17:37 / ↑19:23 ↓09:01 **तृतीया ३** 21:30 नक्षत्र: रोहिणी 03:58, नवम्बर 1 योग: वरीयान् 15:34 करण: वणिज 09:51				

आश्विन मास की खगोलीय घटनाएँ

1 अक्टूबर - बुध ग्रह का कन्या राशि में 20:45 बजे प्रवेश ।
3 अक्टूबर - मंगल ग्रह का तुला राशि में 18:16 बजे प्रवेश । चतुर्थी तिथि का क्षय ।
18 अक्टूबर - तुला संक्रान्ति = सूर्य का कन्या राशि से तुला राशि में 01:42 बजे प्रवेश ।
19 अक्टूबर - बुध ग्रह तुला राशि में 01:23 बजे प्रवेश ।
23 अक्टूबर - हेमन्त ऋतु प्रारम्भ ।
28 अक्टूबर - खण्डग्रास चन्द्रग्रहण, आश्विन पूर्णिमा की मध्य रात्रि को सम्पूर्ण भारत में दिखाई देगा । जब ग्रहण पूर्ण दिखाई देता है, तो उसे "खग्रास" एवं जब ग्रहण कुछ मात्रा में दिखाई देता है तब उसे "खण्डग्रास" कहा जाता है।

- चन्द्र ग्रहण प्रारम्भ - 01:06, अक्टूबर 29 — सूतक प्रारम्भ - 14:52, अक्टूबर 28
- चन्द्र ग्रहण समाप्त - 02:22, अक्टूबर 29 — सूतक समाप्त - 02:22

दिवस विशेष व्रत/पर्व

30 सितम्बर - इष्टि
2 अक्टूबर - महात्मा गांधी जयन्ती, लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती
4 अक्टूबर- रोहिणी व्रत
11 अक्टूबर- प्रदोष व्रत
12 अक्टूबर - मासिक शिवरात्रि, राम मनोहर लोहिया पुण्यतिथि
15 अक्टूबर- महाराजा अग्रसेन जयन्ती, नवरात्रि
18 अक्टूबर - विनायक चतुर्थी
21 अक्टूबर - दशहरा (सप्तमी)
22 अक्टूबर - दशहरा (महाष्टमी),
- अशफाक उल्ला खान जयन्ती
23 अक्टूबर - दशहरा (महा नवमी)
24 अक्टूबर - विजयादशमी
26 अक्टूबर - प्रदोष व्रत
28 अक्टूबर - वाल्मीकि जयन्ती,
शरद पूर्णिमा, मीराबाई जयन्ती

दिवस विशेष में -
नीला रंग = शासकीय अवकाश (GH)
हरा रंग = प्रतिबन्धित अवकाश (RH)

इग्नू
जन–जन का
विश्वविद्यालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

G20 भारत 2023 INDIA

कालज्योति पञ्चाङ्ग

कार्तिक मास

(29 अक्टूबर - 27 नवम्बर, 2023 ई.)

हेमन्त ऋतु, दक्षिणायन,
2080 विक्रम संवत्

कृष्ण पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
29 अक्टूबर ☀ ↑06:31 ↓17:39 ☾ ↑17:56 ↓06:48 **प्रतिपदा १** 23:52 नक्षत्र: भरणी 04:42, अक्टूबर 30 योग: सिद्धि 20:01 करण: बालव 12:49	**30 अक्टूबर** ☀ ↑06:31 ↓17:38 ☾ ↑18:37 ↓07:55 **द्वितीया २** 22:22 नक्षत्र: कृत्तिका 04:01, अक्टूबर 31 योग: व्यतीपात 17:33 करण: तैतिल 11:03	**31 अक्टूबर** ☀ ↑06:32 ↓17:37 ☾ ↑19:23 ↓09:01 **तृतीया ३** 21:30 नक्षत्र: रोहिणी 03:58, नवम्बर 1 योग: वरीयान् 15:34 करण: वणिज 09:51	**01 नवम्बर** ☀ ↑06:33 ↓17:36 ☾ ↑20:15 ↓10:05 **चतुर्थी ४** 21:19 नक्षत्र: मृगशिरा 04:36, नवम्बर 2 योग: परिघ 14:07 करण: बव 09:19	**02 नवम्बर** ☀ ↑06:33 ↓17:36 ☾ ↑21:10 ↓11:04 **पञ्चमी ५** 21:52 नक्षत्र: आर्द्रा 05:57, नवम्बर 3 योग: शिव 13:14 करण: कौलव 09:30	**03 नवम्बर** ☀ ↑06:34 ↓17:35 ☾ ↑22:08 ↓11:56 **षष्ठी ६** 23:07 नक्षत्र: पुनर्वसु योग: सिद्ध 12:53 करण: गर 10:24	**04 नवम्बर** ☀ ↑06:35 ↓17:34 ☾ ↑23:06 ↓12:41 **सप्तमी ७** 00:59, नवम्बर 5 नक्षत्र: पुनर्वसु 07:57 योग: साध्य 13:03 करण: भद्रा 11:59
05 नवम्बर ☀ ↑06:36 ↓17:33 ☾ ↑00:02, नवम्बर 6 ↓13:20 **अष्टमी ८** 03:18, नवम्बर 6 नक्षत्र: पुष्य 10:29 योग: शुभ 13:37 करण: बालव 14:06	**06 नवम्बर** ☀ ↑06:36 ↓17:33 ☾ ↑00:57, नवम्बर 7 ↓13:53 **नवमी ९** 05:50, नवम्बर 7 नक्षत्र: अश्लेशा 13:23 योग: शुक्ल 14:26 करण: तैतिल 16:33	**07 नवम्बर** ☀ ↑06:37 ↓17:32 ☾ ↑01:51, नवम्बर 8 ↓14:23 **दशमी १०** नक्षत्र: मघा 16:24 योग: ब्रह्म 15:20 करण: वणिज 19:07	**08 नवम्बर** ☀ ↑06:38 ↓17:31 ☾ ↑02:44, नवम्बर 9 ↓14:51 **दशमी १०** 08:23 नक्षत्र: पू.फा. 19:19 योग: इन्द्र 16:11 करण: भद्रा 08:23	**09 नवम्बर** ☀ ↑06:39 ↓17:31 ☾ ↑03:37, नवम्बर 10 ↓15:18 **एकादशी ११** 10:41 नक्षत्र: उ.फा. 21:57 योग: वैधृति 16:49 करण: बालव 10:41	**10 नवम्बर** ☀ ↑06:39 ↓17:30 ☾ ↑04:32, नवम्बर 11 ↓15:45 **द्वादशी १२** 12:35 नक्षत्र: हस्त 00:08, नवम्बर 11 योग: विष्कम्भ 17:06 करण: तैतिल 12:35	**11 नवम्बर** ☀ ↑06:40 ↓17:30 ☾ ↑05:28, नवम्बर 12 ↓16:13 **त्रयोदशी १३** 13:57 नक्षत्र: चित्रा 01:47, नवम्बर 12 योग: प्रीति 16:59 करण: वणिज 13:57
12 नवम्बर ☀ ↑06:41 ↓17:29 ☾ ↑06:28, नवम्बर 13 ↓16:45 **चतुर्दशी १४** 14:44 नक्षत्र: स्वाती 02:51, नवम्बर 13 योग: आयुष्मान् 16:25 करण: शकुनि 14:44	**13 नवम्बर** ☀ ↑06:42 ↓17:29 ☾ ↑--- ↓17:20 **अमावस्या** 14:56 नक्षत्र: विशाखा 03:23, नवम्बर 14 योग: सौभाग्य 15:23 करण: नाग 14:56					

कार्तिक मास की खगोलीय घटनाएँ

30 अक्टूबर - केतु का कन्या राशि में प्रवेश । राहु का मीन राशि में प्रवेश ।
3 नवम्बर - शुक्र ग्रह का 05:24 बजे कन्या राशि में प्रवेश।
6 नवम्बर - बुध ग्रह का 16:32 बजे वृश्चिक राशि में प्रवेश ।
16 नवम्बर - मंगल ग्रह का 11:04 बजे वृश्चिक राशि में प्रवेश।
17 नवम्बर - वृश्चिक संक्रान्ति - सूर्य का तुला से 01:30 बजे वृश्चिक राशि में प्रवेश ।
20 नवम्बर - सप्तमी तिथि का क्षय ।
27 नवम्बर - बुध ग्रह का 06:02 बजे धनु राशि में प्रवेश ।

इस पञ्चांग में सभी समय 24 घण्टा प्रारूप के अनुसार नई दिल्ली, भारत के स्थानीय समय के साथ दर्शाए गए हैं तथा लिखा हुआ समय उस तिथि, नक्षत्र, योग और करण की समाप्ति को बताता है। उस समय के बाद क्रम से अगली तिथि, नक्षत्र, योग तथा करण प्रारम्भ होगा। जहाँ समय नहीं लिखा है वहाँ अभिप्राय है कि वह पूर्ण रात्रि तक है।

शुक्ल पक्ष

भारतीय समाज में शरद पूर्णिमा के बाद प्रारम्भ होने वाले कार्तिक मास में ब्रह्म मुहूर्त में शीतल जल के स्नान की परम्परा है। आयुर्वेद के प्रसिद्ध ग्रन्थ चरक संहिता में इस जल को 'हंसोदक' कहा गया है क्योंकि दिन के समय सूर्य की किरणों से तपा और रात के समय चन्द्रमा की किरणों के स्पर्श से शीतलकाल स्वभाव में पका हुआ होने से निर्दोष एवं अगस्त्यतारा के उदय होने के प्रभाव से निर्विष हो जाता है।

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
		14 नवम्बर ☀ ↑06:43 ↓17:28 ☾ ↑07:31 ↓18:02 **प्रतिपदा १** 14:36 नक्षत्र: अनुराधा 03:24, नवम्बर 15 योग: शोभन 13:57 करण: बव 14:36	**15 नवम्बर** ☀ ↑06:43 ↓17:28 ☾ ↑08:36 ↓18:51 **द्वितीया २** 13:47 नक्षत्र: ज्येष्ठा 03:01, नवम्बर 16 योग: अतिगण्ड 12:08 करण: कौलव 13:47	**16 नवम्बर** ☀ ↑06:44 ↓17:27 ☾ ↑09:40 ↓19:48 **तृतीया ३** 12:34 नक्षत्र: मूल 02:17, नवम्बर 17 योग: सुकर्मा 10:00 करण: गर 12:34	**17 नवम्बर** ☀ ↑06:45 ↓17:27 ☾ ↑10:40 ↓20:52 **चतुर्थी ४** 11:03 नक्षत्र: पू.षा. 01:17, नवम्बर 18 योग: धृति 07:37 करण: भद्रा 11:03	**18 नवम्बर** ☀ ↑06:46 ↓17:26 ☾ ↑11:34 ↓22:00 **पञ्चमी ५** 09:18 नक्षत्र: उ.षा. 00:07, नवम्बर 19 योग: गण्ड 02:18, नवम्बर 19 करण: बालव 09:18
19 नवम्बर ☀ ↑06:46 ↓17:26 ☾ ↑12:22 ↓23:08 **षष्ठी ६** 07:23, सप्तमी नक्षत्र: श्रवण 22:48 योग: वृद्धि 23:28 करण: तैतिल 07:23	**20 नवम्बर** ☀ ↑06:47 ↓17:26 ☾ ↑13:02 ↓00:15, नवम्बर 21 **अष्टमी ८** 03:16, नवम्बर 21 नक्षत्र: धनिष्ठा 21:26 योग: ध्रुव 20:35 करण: भद्रा 16:19	**21 नवम्बर** ☀ ↑06:48 ↓17:25 ☾ ↑13:39 ↓01:09, नवम्बर 22 **नवमी ९** 01:09, नवम्बर 22 नक्षत्र: शतभिषा 20:01 योग: व्याघात 17:41 करण: बालव 14:12	**22 नवम्बर** ☀ ↑06:49 ↓17:25 ☾ ↑14:12 ↓02:24, नवम्बर 23 **दशमी १०** 23:03 नक्षत्र: पू.भा. 18:37 योग: हर्षण 14:46 करण: तैतिल 12:06	**23 नवम्बर** ☀ ↑06:50 ↓17:25 ☾ ↑14:44 ↓03:27, नवम्बर 24 **एकादशी ११** 21:01 नक्षत्र: उ.भा. 17:16 योग: वज्र 11:54 करण: वणिज 10:02	**24 नवम्बर** ☀ ↑06:51 ↓17:25 ☾ ↑15:17 ↓04:31, नवम्बर 25 **द्वादशी १२** 19:06 नक्षत्र: रेवती 16:01 योग: सिद्धि 09:05 करण: बव 08:03	**25 नवम्बर** ☀ ↑06:51 ↓17:24 ☾ ↑15:51 ↓05:36, नवम्बर 26 **त्रयोदशी १३** 17:22 नक्षत्र: अश्विनी 14:56 योग: वरीयान् 03:53, नवम्बर 26 करण: तैतिल 17:22
26 नवम्बर ☀ ↑06:52 ↓17:24 ☾ ↑16:30 ↓06:42, नवम्बर 27 **चतुर्दशी १४** 15:53 नक्षत्र: भरणी 14:53 योग: भरणी 14:05 करण: वणिज 15:53	**27 नवम्बर** ☀ ↑06:53 ↓17:24 ☾ ↑17:13 ↓--- **पूर्णिमा** 14:45 नक्षत्र: कृत्तिका 13:35 योग: शिव 23:39 करण: बव 14:45	**28 नवम्बर** ☀ ↑06:54 ↓17:24 ☾ ↑18:02 ↓07:47 **प्रतिपदा १** 14:05 नक्षत्र: रोहिणी 13:31 योग: सिद्ध 22:04 करण: कौलव 14:05	**29 नवम्बर** ☀ ↑06:54 ↓17:24 ☾ ↑18:56 ↓08:49 **द्वितीया २** 13:56 नक्षत्र: मृगशिरा 13:59 योग: साध्य 20:55 करण: गर 13:56	**30 नवम्बर** ☀ ↑06:55 ↓17:24 ☾ ↑19:54 ↓09:45 **तृतीया ३** 14:24 नक्षत्र: आर्द्रा 15:01 योग: शुभ 20:15 करण: भद्रा 14:24	**01 दिसम्बर** ☀ ↑06:56 ↓17:24 ☾ ↑20:53 ↓10:34 **चतुर्थी ४** 15:31 नक्षत्र: पुनर्वसु 16:40 योग: शुक्ल 20:04 करण: बालव 15:31	**02 दिसम्बर** ☀ ↑06:57 ↓17:24 ☾ ↑21:51 ↓11:15 **पञ्चमी ५** 17:14 नक्षत्र: पुष्य 18:54 योग: ब्रह्म 20:19 करण: तैतिल 17:14

दिवस विशेष व्रत/पर्व

29 अक्टूबर - इष्टि
31 अक्टूबर- सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती
1 नवम्बर - करवा चौथ
5 नवम्बर - अहोई अष्टमी, राधा कुंड स्नान
9 नवम्बर - रमा एकादशी, गोवत्स द्वादशी
10 नवम्बर - धनतेरस, प्रदोष व्रत
11 नवम्बर - काली चौदस, हनुमान पूजा
12 नवम्बर - दीपावली, नरक चतुर्दशी
13 नवम्बर - गोवर्धन पूजा, अन्नकूट,
14 नवम्बर - नेहरू जयन्ती, बाल दिवस
15 नवम्बर - भाई दूज
17 नवम्बर -नायक चतुर्थी
19 नवम्बर - छठ पूजा, रानी लक्ष्मी बाई जयन्ती
20 नवम्बर - गोपाष्टमी
21 नवम्बर - अक्षय नवमी
22 नवम्बर - कंस वध
23 नवम्बर - देवोत्थान एकादशी
24 नवम्बर - गुरु तेगबहादुर शहीदी दिवस
तुलसी विवाह, प्रदोष व्रत,
26 नवम्बर - देव दिवाली
27 नवम्बर - गुरु नानक जयन्ती, पुष्कर स्नान

दिवस विशेष में -
नीला रंग = शासकीय अवकाश (GH)
हरा रंग = प्रतिबन्धित अवकाश (RH)

इग्नू
जन–जन का
विश्वविद्यालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कालज्योति पञ्चाङ्ग

मार्गशीर्ष मास

(28 नवम्बर - 26 दिसम्बर, 2023 ई.)

हेमन्त/शिशिर ऋतु, दक्षिणायन/
उत्तरायण, 2080 विक्रम संवत्

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

G20 भारत 2023 INDIA

कृष्ण पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
26 नवम्बर ↑06:52 ↓17:24 · ↑16:30 ↓06:42, नवम्बर 27 चतुर्दशी १४ 15:53 नक्षत्र: भरणी 14:53 योग: भरणी 14:05 करण: वणिज 15:53	27 नवम्बर ↑06:53 ↓17:24 · ↑17:13 ↓--- पूर्णिमा 14:45 नक्षत्र: कृत्तिका 13:35 योग: शिव 23:39 करण: बव 14:45	28 नवम्बर ↑06:54 ↓17:24 · ↑18:02 ↓07:47 प्रतिपदा १ 14:05 नक्षत्र: रोहिणी 13:31 योग: सिद्ध 22:04 करण: कौलव 14:05	29 नवम्बर ↑06:54 ↓17:24 · ↑18:56 ↓08:49 द्वितीया २ 13:56 नक्षत्र: मृगशिरा 13:59 योग: साध्य 20:55 करण: गर 13:56	30 नवम्बर ↑06:55 ↓17:24 · ↑19:54 ↓09:45 तृतीया ३ 14:24 नक्षत्र: आर्द्रा 15:01 योग: शुभ 20:15 करण: भद्रा 14:24	01 दिसम्बर ↑06:56 ↓17:24 · ↑20:53 ↓10:34 चतुर्थी ४ 15:31 नक्षत्र: पुनर्वसु 16:40 योग: शुक्ल 20:04 करण: बालव 15:31	02 दिसम्बर ↑06:57 ↓17:24 · ↑21:51 ↓11:15 पञ्चमी ५ 17:14 नक्षत्र: पुष्य 18:54 योग: ब्रह्म 20:19 करण: तैतिल 17:14
03 दिसम्बर ↑06:58 ↓17:24 · ↑22:47 ↓11:51 षष्ठी ६ 19:27 नक्षत्र: अश्लेशा 21:36 योग: इन्द्र 20:56 करण: वणिज 19:27	04 दिसम्बर ↑06:58 ↓17:24 · ↑23:41 ↓12:23 सप्तमी ७ 21:59 नक्षत्र: मघा 00:35, दिसम्बर 5 योग: वैधृति 21:48 करण: भद्रा 08:41	05 दिसम्बर ↑06:59 ↓17:24 · ↑00:37, दिसम्बर 6 ↓12:51 अष्टमी ८ 00:37, दिसम्बर 6 नक्षत्र: पू.फा. 03:38, दिसम्बर 6 योग: विष्कम्भ 22:42 करण: बालव 11:18	06 दिसम्बर ↑07:00 ↓17:24 · ↑01:27, दिसम्बर 7 ↓13:18 नवमी ९ 03:04, दिसम्बर 7 नक्षत्र: उ.फा. 06:29, दिसम्बर 7 योग: प्रीति 23:30 करण: तैतिल 13:53	07 दिसम्बर ↑07:01 ↓17:24 · ↑02:20, दिसम्बर 8 ↓13:45 दशमी १० 05:06, दिसम्बर 8 नक्षत्र: हस्त योग: आयुष्मान् 00:01, दिसम्बर 8 करण: वणिज 16:09	08 दिसम्बर ↑07:01 ↓17:24 · ↑03:15, दिसम्बर 9 ↓14:12 एकादशी ११ 06:31, दिसम्बर 9 नक्षत्र: हस्त 08:54 योग: सौभाग्य 00:05, दिसम्बर 9 करण: बव 17:53	09 दिसम्बर ↑07:02 ↓17:25 · ↑04:13, दिसम्बर 10 ↓14:42 द्वादशी १२ नक्षत्र: चित्रा 10:43 योग: शोभन 23:37 करण: कौलव 18:57
10 दिसम्बर ↑07:03 ↓17:25 · ↑05:15, दिसम्बर 11 ↓15:15 द्वादशी १२ 07:13 नक्षत्र: स्वाती 11:50 योग: अतिगण्ड 22:35 करण: तैतिल 07:13	11 दिसम्बर ↑07:03 ↓17:25 · ↑06:19, दिसम्बर 12 ↓15:55 त्रयोदशी १३ 07:10, चतुर्दशी नक्षत्र: विशाखा 12:14 योग: सुकर्मा 20:59 करण: वणिज 07:10	12 दिसम्बर ↑07:04 ↓17:25 · ↑--- ↓16:42 अमावस्या 05:01, दिसम्बर 13 नक्षत्र: अनुराधा 11:57 योग: धृति 18:52 करण: चतुष्पाद 17:47				इस पञ्चांग में सभी समय 24 घण्टा प्रारूप के अनुसार नई दिल्ली, भारत के स्थानीय समय के साथ दर्शाए गए हैं तथा लिखा हुआ समय उस तिथि, नक्षत्र, योग और करण की समाप्ति को बताता है। उस समय के बाद क्रम से अगली तिथि, नक्षत्र, योग तथा करण प्रारम्भ होगा। जहाँ समय नहीं लिखा है वहाँ अभिप्राय है कि वह पूर्ण रात्रि तक है।

शुक्ल पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
मार्गशीर्ष मास की खगोलीय घटनाएँ	30 नवम्बर - शुक्र ग्रह का 01:14 बजे तुला राशि में प्रवेश । 16 दिसम्बर - धनु संक्रान्ति - सूर्य का 16:09 बजे वृश्चिक से धनु राशि में प्रवेश । 22 दिसम्बर - सायन सूर्य का मकर राशि में प्रवेश । शिशिर ऋतु का प्रारम्भ । सायन उत्तरायण प्रारम्भ । 25 दिसम्बर - शुक्र ग्रह का 06:55 बजे वृश्चिक राशि में प्रवेश ।		13 दिसम्बर ↑07:05 ↓17:26 · ↑07:26 ↓17:37 प्रतिपदा १ 03:09, दिसम्बर 14 नक्षत्र: ज्येष्ठा 11:05 योग: शूल 16:18 करण: किंस्तुघन 16:08	14 दिसम्बर ↑07:05 ↓17:26 · ↑08:29 ↓18:40 द्वितीया २ 00:56, दिसम्बर 15 नक्षत्र: मूल 09:47 योग: गण्ड 13:25 करण: बालव 14:04	15 दिसम्बर ↑07:06 ↓17:26 · ↑09:28 ↓19:49 तृतीया ३ 22:30 नक्षत्र: पू.षा. 08:10 योग: वृद्धि 10:17 करण: तैतिल 11:44	16 दिसम्बर ↑07:07 ↓17:27 · ↑10:19 ↓20:59 चतुर्थी ४ 20:00 नक्षत्र: श्रवण 04:37, दिसम्बर 17 योग: व्याघात 03:48, दिसम्बर 17 करण: वणिज 09:15
17 दिसम्बर ↑07:07 ↓17:27 · ↑11:02 ↓22:07 पञ्चमी ५ 17:33 नक्षत्र: धनिष्ठा 02:54, दिसम्बर 18 योग: हर्षण 00:36, दिसम्बर 18 करण: बालव 17:33	18 दिसम्बर ↑07:08 ↓17:27 · ↑11:40 ↓23:13 षष्ठी ६ 15:13 नक्षत्र: शतभिषा 01:22, दिसम्बर 19 योग: वज्र 21:32 करण: तैतिल 15:13	19 दिसम्बर ↑07:08 ↓17:28 · ↑12:14 ↓00:17, दिसम्बर 20 सप्तमी ७ 13:06 नक्षत्र: पू.भा. 00:02, दिसम्बर 20 योग: सिद्धि 18:38 करण: वणिज 13:06	20 दिसम्बर ↑07:09 ↓17:28 · ↑12:46 ↓01:20, दिसम्बर 21 अष्टमी ८ 11:14 नक्षत्र: उ.भा. 22:58 योग: व्यतीपात 15:57 करण: बव 11:14	21 दिसम्बर ↑07:09 ↓17:29 · ↑13:18 ↓02:22, दिसम्बर 22 नवमी ९ 09:37 नक्षत्र: रेवती 22:09 योग: वरीयान् 13:28 करण: कौलव 09:37	22 दिसम्बर ↑07:10 ↓17:29 · ↑13:51 ↓03:25, दिसम्बर 23 दशमी १० 08:16 नक्षत्र: अश्विनी 21:36 योग: परिघ 11:11 करण: गर 08:16	23 दिसम्बर ↑07:10 ↓17:30 · ↑14:27 ↓04:29, दिसम्बर 24 एकादशी ११ 07:11, द्वादशी नक्षत्र: भरणी 21:19 योग: शिव 09:08 करण: भद्रा 07:11
24 दिसम्बर ↑07:11 ↓17:30 · ↑15:08 ↓05:34, दिसम्बर 25 त्रयोदशी १३ 05:54, दिसम्बर 25 नक्षत्र: कृत्तिका 21:19 योग: सिद्ध 07:18 करण: कौलव 18:07	25 दिसम्बर ↑07:11 ↓17:31 · ↑15:54 ↓06:36, दिसम्बर 26 चतुर्दशी १४ 05:46, दिसम्बर 26 नक्षत्र: रोहिणी 21:39 योग: शुभ 04:23, दिसम्बर 26 करण: गर 17:48	26 दिसम्बर ↑07:12 ↓17:31 · ↑16:45 ↓--- पूर्णिमा 06:02, दिसम्बर 27 नक्षत्र: मृगशिरा 22:21 योग: शुक्ल 03:22, दिसम्बर 27 करण: भद्रा 17:51	27 दिसम्बर ↑07:12 ↓17:32 · ↑17:41 ↓07:34 प्रतिपदा १ 06:46, दिसम्बर 28 नक्षत्र: आर्द्रा 23:29 योग: ब्रह्म 02:41, दिसंबर 28 करण: बालव 18:20	28 दिसम्बर ↑07:13 ↓17:33 · ↑18:40 ↓08:25 द्वितीया २ नक्षत्र: पुनर्वसु 01:05, दिसंबर 29 योग: इन्द्र 02:24, दिसंबर 29 करण: तैतिल 19:19	29 दिसम्बर ↑07:13 ↓17:33 · ↑19:39 ↓09:10 द्वितीया २ 07:59 नक्षत्र: पुष्य 03:10, दिसंबर 30 योग: वैधृति 02:29, दिसंबर 30 करण: गर 07:59	30 दिसम्बर ↑07:13 ↓17:34 · ↑20:36 ↓09:48 तृतीया ३ 09:43 नक्षत्र: आश्लेशा 05:42, दिसंबर 31 योग: विष्कम्भ 02:56, दिसम्बर 31 करण: भद्रा 09:43

दिवस विशेष व्रत/पर्व

- 30 नवम्बर - गणाधिप संकष्टी चतुर्थी
- 1 दिसम्बर - विश्व एड्स दिवस
- 5 दिसम्बर - कालभैरव जयन्ती, श्री अरविंद घोष जयन्ती
- 6 दिसम्बर- बाबा साहेब अम्बेडकर पुण्यतिथि
- 7 दिसम्बर - झंडा दिवस
- 8 दिसम्बर- उत्पन्न एकादशी
- 10 दिसम्बर - प्रदोष व्रत, मानवाधिकार दिवस
- 15 दिसम्बर - सरदार वल्लभभाई पुण्यतिथि
- 16 दिसम्बर - विनायक चतुर्थी, विजय दिवस
- 17 दिसम्बर - विवाह पञ्चमी
- 19 दिसम्बर - अशफाक़उल्ला खान शहादत दिवस
- 22 दिसम्बर - गीता जयन्ती, मोक्षदा एकादशी
- 24 दिसम्बर - प्रदोष व्रत, क्रिसमस पूर्व-संध्या
- 25 दिसम्बर - क्रिसमस, मदन मोहन मालवीय जयंती
- 26 दिसम्बर - अन्नपूर्णा जयन्ती, शहीद उद्यम सिंह जयंती

दिवस विशेष में -
नीला रंग = शासकीय अवकाश (GH)
हरा रंग = प्रतिबन्धित अवकाश (RH)

कालज्योति पञ्चाङ्ग

पौष मास

(27 दिसम्बर, 2023 ई. - 25 जनवरी, 2024 ई.)

इग्नू
जन–जन का विश्वविद्यालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

G20 भारत 2023 INDIA

शिशिर ऋतु, उत्तरायण, 2080 विक्रम संवत्

कृष्ण पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
24 दिसम्बर 07:11 17:30 / 15:08 05:34, दिसम्बर 25 **त्रयोदशी १३** 05:54, दिसम्बर 25 नक्षत्र: कृत्तिका 21:19 योग: सिद्ध 07:18 करण: कौलव 18:07	**25 दिसम्बर** 07:11 17:31 / 15:54 06:36, दिसम्बर 26 **चतुर्दशी १४** 05:46, दिसम्बर 26 नक्षत्र: रोहिणी 21:39 योग: शुभ 04:23, दिसम्बर 26 करण: गर 17:48	**26 दिसम्बर** 07:12 17:31 / 16:45 --- **पूर्णिमा** 06:02, दिसम्बर 27 नक्षत्र: मृगशिरा 22:21 योग: शुक्ल 03:22, दिसम्बर 27 करण: भद्रा 17:51	**27 दिसम्बर** 07:12 17:32 / 17:41 07:34 **प्रतिपदा १** 06:46, दिसम्बर 28 नक्षत्र: आर्द्रा 23:29 योग: ब्रह्म 02:41, दिसंबर 28 करण: बालव 18:20	**28 दिसम्बर** 07:13 17:33 / 18:40 08:25 **द्वितीया २** नक्षत्र: पुनर्वसु 01:05, दिसंबर 29 योग: इन्द्र 02:24, दिसंबर 29 करण: तैतिल 19:19	**29 दिसम्बर** 07:13 17:33 / 19:39 09:10 **द्वितीया २** 07:59 नक्षत्र: पुष्य 03:10, दिसंबर 30 योग: वैधृति 02:29, दिसंबर 30 करण: गर 07:59	**30 दिसम्बर** 07:13 17:34 / 20:36 09:48 **तृतीया ३** 09:43 नक्षत्र: आश्लेषा 05:42, दिसंबर 31 योग: विष्कम्भ 02:56, दिसंबर 31 करण: भद्रा 09:43
31 दिसम्बर 07:14 17:34 / 21:32 10:22 **चतुर्थी ४** 11:55 नक्षत्र: मघा योग: प्रीति 03:41, जनवरी 1 करण: बालव 11:55	**01 जनवरी** 07:14 17:35 / 22:25 10:51 **पञ्चमी ५** 14:28 नक्षत्र: मघा 08:36 योग: आयुष्मान् 04:36, जनवरी 2 करण: तैतिल 14:28	**02 जनवरी** 07:14 17:36 / 23:17 11:19 **षष्ठी ६** 17:10 नक्षत्र: पू.फा. 11:42 योग: सौभाग्य 05:33 जनवरी 3 करण: वणिज 17:10	**03 जनवरी** 07:14 17:37 / 00:09, जनवरी 4 11:45 **सप्तमी ७** 19:48 नक्षत्र: उ.फा. 14:46 योग: शोभन 06:21, जनवरी 4 करण: बव 19:48	**04 जनवरी** 07:15 17:37 / 01:02, जनवरी 5 12:11 **अष्टमी ८** 22:04 नक्षत्र: हस्त 17:33 योग: अतिगण्ड 06:49, जनवरी 5 करण: बालव 08:59	**05 जनवरी** 07:15 17:38 / 01:58, जनवरी 6 12:39 **नवमी ९** 23:46 नक्षत्र: चित्रा 19:50 योग: सुकर्मा 06:48, जनवरी 6 करण: तैतिल 11:00	**06 जनवरी** 07:15 17:39 / 02:57, जनवरी 7 13:10 **दशमी १०** 00:41, जनवरी 7 नक्षत्र: स्वाती 21:23 योग: धृति 06:10, जनवरी 7 करण: वणिज 12:20
07 जनवरी 07:15 17:39 / 03:59, जनवरी 8 13:46 **एकादशी ११** 00:46, जनवरी 8 नक्षत्र: विशाखा 22:08 योग: शूल 04:53, जनवरी 8 करण: बव 12:50	**08 जनवरी** 07:15 17:40 / 05:05, जनवरी 9 14:29 **द्वादशी १२** 23:58 नक्षत्र: अनुराधा 22:03 योग: गण्ड 02:56, जनवरी 9 करण: कौलव 12:28	**09 जनवरी** 07:15 17:41 / 06:10, जनवरी 10 15:20 **त्रयोदशी १३** 22:24 नक्षत्र: ज्येष्ठा 21:11 योग: वृद्धि 00:22, जनवरी 10 करण: गर 11:17	**10 जनवरी** 07:15 17:42 / 07:13, जनवरी 11 16:20 **चतुर्दशी १४** 20:10 नक्षत्र: मूल 19:40 योग: ध्रुव 21:18 करण: भद्रा 09:22	**11 जनवरी** 07:15 17:43 / --- 17:28 **अमावस्या** 17:26 नक्षत्र: पू.षा. 17:39 योग: व्याघात 17:49 करण: नाग 17:26		इस पञ्चांग में सभी समय 24 घण्टा प्रारूप के अनुसार नई दिल्ली, भारत के स्थानीय समय के साथ दर्शाए गए हैं तथा लिखा हुआ समय उस तिथि, नक्षत्र, योग और करण की समाप्ति को बताता है। उस समय के बाद क्रम से अगली तिथि, नक्षत्र, योग तथा करण प्रारम्भ होगा। जहाँ समय नहीं लिखा है वहाँ अभिप्राय है कि वह पूर्ण रात्रि तक है।

पौष मास की खगोलीय घटनाएँ

28 दिसम्बर - मंगल ग्रह का 00:36 बजे धनु राशि में प्रवेश ।
28 दिसम्बर - बुध ग्रह का 10:39 बजे वृश्चिक राशि में प्रवेश ।
7 जनवरी - बुध ग्रह का 21:32 बजे धनु राशि में प्रवेश ।
15 जनवरी - सूर्य का 02:54 बजे मकर राशि में प्रवेश ।
निरयन उत्तरायण प्रारम्भ । चतुर्थी तिथि का क्षय ।

निरयण = नि + अयन = अयन रहित या स्थिर भचक्र SIDEREAL / FIXED ZODIAC इस प्रणाली में मेष का प्रथम बिन्दु हमेशा नक्षत्र यानि चित्रा से 180 अंश के कोण पर स्थायी रहता है। यह अयन के परिवर्तन से परिवर्तित नहीं होता है। अतः भचक्र का जो भाग जिस राशि के लिए निश्चित है वह हमेशा वही रहता है। इसमें सूर्य से ग्रह की गति व दूरी पृथ्वी की धुरी की गति से स्वतंत्र है।

शुक्ल पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
					12 जनवरी 07:15 17:43 / 08:08 18:40 **प्रतिपदा १** 14:23 नक्षत्र: उ.षा. 15:18 योग: हर्षण 14:05 करण: बव 14:23	**13 जनवरी** 07:15 17:44 / 08:56 19:52 **द्वितीया २** 11:11 नक्षत्र: श्रवण 12:49 योग: वज्र 10:14 करण: कौलव 11:11
14 जनवरी 07:15 17:45 / 09:37 21:02 **तृतीया ३** 07:59, चतुर्थी नक्षत्र: धनिष्ठा 10:22 योग: व्यतीपात 02:40, जनवरी 15 करण: गर 07:59	**15 जनवरी** 07:15 17:46 / 10:14 22:08 **पञ्चमी ५** 02:16, जनवरी 16 नक्षत्र: शतभिषा 08:07 योग: वरीयान् 23:11 करण: बव 15:35	**16 जनवरी** 07:15 17:47 / 10:47 23:13 **षष्ठी ६** 23:57 नक्षत्र: उ.भा. 04:38, जनवरी 17 योग: परिघ 20:01 करण: कौलव 13:03	**17 जनवरी** 07:15 17:47 / 11:20 00:16, जनवरी 18 **सप्तमी ७** 22:06 नक्षत्र: रेवती 03:33, जनवरी 18 योग: शिव 17:13 करण: गर 10:58	**18 जनवरी** 07:15 17:48 / 11:53 01:19, जनवरी 19 **अष्टमी ८** 20:44 नक्षत्र: अश्विनी 02:58, जनवरी 19 योग: सिद्ध 14:48 करण: भद्रा 09:22	**19 जनवरी** 07:15 17:49 / 12:28 02:23, जनवरी 20 **नवमी ९** 19:51 नक्षत्र: भरणी 02:50, जनवरी 20 योग: साध्य 12:46 करण: बालव 08:14	**20 जनवरी** 07:14 17:50 / 13:06 03:26, जनवरी 21 **दशमी १०** 19:26 नक्षत्र: कृत्तिका 03:09, जनवरी 21 योग: शुभ 11:06 करण: तैतिल 07:35
21 जनवरी 07:14 17:51 / 13:50 04:28, जनवरी 22 **एकादशी ११** 19:26 नक्षत्र: रोहिणी 03:52 योग: शुक्ल 09:47 करण: वणिज 07:23	**22 जनवरी** 07:14 17:52 / 14:39 05:27, जनवरी 23 **द्वादशी १२** 19:51 नक्षत्र: मृगशिरा 04:58, जनवरी 23 योग: ब्रह्म 08:47 करण: बव 07:36	**23 जनवरी** 07:13 17:52 / 15:33 06:20, जनवरी 24 **त्रयोदशी १३** 20:39 नक्षत्र: आर्द्रा 06:26, जनवरी 24 योग: इन्द्र 08:05 करण: कौलव 08:12	**24 जनवरी** 07:13 17:53 / 16:31 07:06, जनवरी 25 **चतुर्दशी १४** 21:49 नक्षत्र: पुनर्वसु योग: वैधृति 07:40 करण: गर 09:11	**25 जनवरी** 07:13 17:54 / 17:29 --- **पूर्णिमा** 23:23 नक्षत्र: पुनर्वसु 08:16 योग: विष्कम्भ 07:32 करण: भद्रा 10:33	**26 जनवरी** 07:12 17:55 / 18:27 07:47 **प्रतिपदा १** 01:19, जनवरी 27 नक्षत्र: पुष्य 10:28 योग: प्रीति 07:42 करण: बालव 12:18	**27 जनवरी** 07:12 17:56 / 19:23 08:21 **द्वितीया २** 03:36, जनवरी 28 नक्षत्र: आश्लेषा 13:01 योग: आयुष्मान् 08:09 करण: तैतिल 14:25

दिवस विशेष व्रत/पर्व

30 दिसम्बर- अखुरथ संकष्टी चतुर्थी
1 जनवरी- ग्रेगोरियन (अंग्रेजी) नव वर्ष
7 जनवरी - सफला एकादशी
9 जनवरी - प्रदोष व्रत

12 जनवरी - स्वामी विवेकानंद जयंती
14 जनवरी - लोहड़ी, विनायक चतुर्थी
15 जनवरी - मकर संक्रान्ति, पोंगल
16 जनवरी - माघ बिहू

17 जनवरी - गुरु गोविन्द सिंह जयंती
21 जनवरी - पुत्रदा एकादशी
23 जनवरी - सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती, प्रदोष व्रत
25 जनवरी - हजरत अली जयंती, शाकाम्भरी पूर्णिमा

दिवस विशेष में -
नीला रंग = शासकीय अवकाश (GH)
हरा रंग = प्रतिबन्धित अवकाश (RH)

इग्नू
जन–जन का
विश्वविद्यालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कालज्योति पञ्चाङ्ग

माघ मास

(26 जनवरी - 24 फरवरी, 2024 ई.)

शिशिर/वसन्त ऋतु, उत्तरायण,
2080 विक्रम संवत्

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

G20 भारत 2023 INDIA

पक्ष	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
कृष्ण पक्ष	**21 जनवरी** सूर्य ↑07:14 ↓17:51; चन्द्र ↑13:50 ↓04:28, जनवरी 22 **एकादशी ११** 19:26 नक्षत्र: रोहिणी 03:52 योग: शुक्ल 09:47 करण: वणिज 07:23	**22 जनवरी** सूर्य ↑07:14 ↓17:52; चन्द्र ↑14:39 ↓05:27, जनवरी 23 **द्वादशी १२** 19:51 नक्षत्र: मृगशिरा 04:58, जनवरी 23 योग: ब्रह्म 08:47 करण: बव 07:36	**23 जनवरी** सूर्य ↑07:13 ↓17:52; चन्द्र ↑15:33 ↓06:20, जनवरी 24 **त्रयोदशी १३** 20:39 नक्षत्र: आर्द्रा 06:26, जनवरी 24 योग: इन्द्र 08:05 करण: कौलव 08:12	**24 जनवरी** सूर्य ↑07:13 ↓17:53; चन्द्र ↑16:31 ↓07:06, जनवरी 25 **चतुर्दशी १४** 21:49 नक्षत्र: पुनर्वसु योग: वैधृति 07:40 करण: गर 09:11	**25 जनवरी** सूर्य ↑07:13 ↓17:54; चन्द्र ↑17:29 ↓— **पूर्णिमा** 23:23 नक्षत्र: पुनर्वसु 08:16 योग: विष्कम्भ 07:32 करण: भद्रा 10:33	**26 जनवरी** सूर्य ↑07:12 ↓17:55; चन्द्र ↑18:27 ↓07:47 **प्रतिपदा १** 01:19, जनवरी 27 नक्षत्र: पुष्य 10:28 योग: प्रीति 07:42 करण: बालव 12:18	**27 जनवरी** सूर्य ↑07:12 ↓17:56; चन्द्र ↑19:23 ↓08:21 **द्वितीया २** 03:36, जनवरी 28 नक्षत्र: आश्लेशा 13:01 योग: आयुष्मान् 08:09 करण: तैतिल 14:25
	28 जनवरी सूर्य ↑07:12 ↓17:57; चन्द्र ↑20:18 ↓08:52 **तृतीया ३** 06:10, जनवरी 29 नक्षत्र: मघा 15:53 योग: सौभाग्य 08:51 करण: वणिज 16:51	**29 जनवरी** सूर्य ↑07:11 ↓17:57; चन्द्र ↑21:10 ↓09:20 **चतुर्थी ४** नक्षत्र: पू.फा. 18:57 योग: शोभन 09:44 करण: बव 19:31	**30 जनवरी** सूर्य ↑07:11 ↓17:58; चन्द्र ↑22:02 ↓09:46 **चतुर्थी ४** 08:54 नक्षत्र: उ.फा. 22:06 योग: अतिगण्ड 10:43 करण: बालव 08:54	**31 जनवरी** सूर्य ↑07:10 ↓17:59; चन्द्र ↑22:54 ↓10:12 **पञ्चमी ५** 11:36 नक्षत्र: हस्त 01:08, फरवरी 1 योग: सुकर्मा 11:41 करण: तैतिल 11:36	**01 फरवरी** सूर्य ↑07:10 ↓18:00; चन्द्र ↑23:48 ↓10:39 **षष्ठी ६** 14:03 नक्षत्र: चित्रा 03:49, फरवरी 2 योग: धृति 12:28 करण: वणिज 14:03	**02 फरवरी** सूर्य ↑07:09 ↓18:01; चन्द्र ↑00:44, फरवरी 3 ↓12:39 **सप्तमी ७** 16:02 नक्षत्र: स्वाती 05:57, फरवरी 3 योग: शूल 12:55 करण: बव 16:02	**03 फरवरी** सूर्य ↑07:09 ↓18:01; चन्द्र ↑01:43, फरवरी 4 ↓11:41 **अष्टमी ८** 17:20 नक्षत्र: विशाखा योग: गण्ड 12:52 करण: कौलव 17:20
	04 फरवरी सूर्य ↑07:08 ↓18:02; चन्द्र ↑02:46, फरवरी 5 ↓12:19 **नवमी ९** 17:49 नक्षत्र: विशाखा 07:21 योग: वृद्धि 12:13 करण: गर 17:49	**05 फरवरी** सूर्य ↑07:07 ↓18:03; चन्द्र ↑03:50, फरवरी 6 ↓13:05 **दशमी १०** 17:24 नक्षत्र: अनुराधा 07:54 योग: ध्रुव 10:52 करण: भद्रा 17:24	**06 फरवरी** सूर्य ↑07:07 ↓18:04; चन्द्र ↑04:53, फरवरी 7 ↓14:00 **एकादशी ११** 16:07 नक्षत्र: ज्येष्ठा 07:35 योग: व्याघात 08:50 करण: बालव 16:07	**07 फरवरी** सूर्य ↑07:06 ↓18:05; चन्द्र ↑05:51, फरवरी 8 ↓15:03 **द्वादशी १२** 14:02 नक्षत्र: पू.षा. 04:37, फरवरी 8 योग: वज्र 02:53, फरवरी 8 करण: तैतिल 14:02	**08 फरवरी** सूर्य ↑07:05 ↓18:05; चन्द्र ↑06:43, फरवरी 9 ↓16:13 **त्रयोदशी १३** 11:17 नक्षत्र: उ.षा. 02:14, फरवरी 9 योग: सिद्धि 23:10 करण: वणिज 11:17	**09 फरवरी** सूर्य ↑07:05 ↓18:06; चन्द्र ↑— ↓17:27 **चतुर्दशी १४** 08:02, अमावस्या नक्षत्र: श्रवण 23:29 योग: व्यतीपात 19:07 करण: शकुनि 08:02	इस पञ्चांग में सभी समय 24 घण्टा प्रारूप के अनुसार नई दिल्ली, भारत के स्थानीय समय के साथ दर्शाए गए हैं तथा लिखा हुआ समय उस तिथि, नक्षत्र, योग और करण की समाप्ति को बताता है। उस समय के बाद क्रम से अगली तिथि, नक्षत्र, योग तथा करण प्रारम्भ होगा। जहाँ समय नहीं लिखा है वहाँ अभिप्राय है कि वह पूर्ण रात्रि तक है।
	माघ मास की खगोलीय घटनाएँ	1 फरवरी - बुध ग्रह का 14:29 बजे मकर राशि में प्रवेश 5 फरवरी - मंगल ग्रह का 21:56 बजे मकर राशि में प्रवेश 10 फरवरी - अमावस्या तिथि का क्षय 12 फरवरी - शुक्र ग्रह का 05:00 बजे मकर राशि में प्रवेश		13 फरवरी - सूर्य का 15:54 बजे कुम्भ राशि में प्रवेश 19 फरवरी - वसन्त ऋतु प्रारम्भ 20 फरवरी - बुध ग्रह का 06:07 बजे कुम्भ राशि में प्रवेश			**10 फरवरी** सूर्य ↑07:04 ↓18:07; चन्द्र ↑07:29 ↓18:39 **प्रतिपदा १** 00:47, फरवरी 11 नक्षत्र: धनिष्ठा 20:34 योग: वरीयान् 14:54 करण: किंस्तुघ्न 14:38
शुक्ल पक्ष	**11 फरवरी** सूर्य ↑07:03 ↓18:08; चन्द्र ↑08:08 ↓19:50 **द्वितीया २** 21:09 नक्षत्र: शतभिषा 17:39 योग: परिघ 10:39 करण: बालव 10:57	**12 फरवरी** सूर्य ↑07:02 ↓18:09; चन्द्र ↑08:44 ↓20:58 **तृतीया ३** 17:44 नक्षत्र: पू.भा. 14:56 योग: सिद्ध 02:37, फरवरी 13 करण: तैतिल 07:24	**13 फरवरी** सूर्य ↑07:02 ↓18:09; चन्द्र ↑09:18 ↓22:04 **चतुर्थी ४** 14:41 नक्षत्र: उ.भा. 12:35 योग: साध्य 23:05 करण: भद्रा 14:41	**14 फरवरी** सूर्य ↑07:01 ↓18:10; चन्द्र ↑09:52 ↓23:09 **पञ्चमी ५** 12:09 नक्षत्र: रेवती 10:43 योग: शुभ 19:59 करण: बालव 12:09	**15 फरवरी** सूर्य ↑07:00 ↓18:11; चन्द्र ↑10:27 ↓00:15, फरवरी 16 **षष्ठी ६** 10:12 नक्षत्र: अश्विनी 09:26 योग: शुक्ल 17:23 करण: तैतिल 10:12	**16 फरवरी** सूर्य ↑06:59 ↓18:12; चन्द्र ↑11:05 ↓01:20, फरवरी 17 **सप्तमी ७** 08:54 नक्षत्र: भरणी 08:47 योग: ब्रह्म 15:18 करण: वणिज 08:54	**17 फरवरी** सूर्य ↑06:58 ↓18:12; चन्द्र ↑11:48 ↓02:23, फरवरी 18 **अष्टमी ८** 08:15 नक्षत्र: कृत्तिका 08:46 योग: इन्द्र 13:44 करण: बव 08:15
	18 फरवरी सूर्य ↑06:58 ↓18:13; चन्द्र ↑12:36 ↓03:23, फरवरी 19 **नवमी ९** 08:15 नक्षत्र: रोहिणी 09:23 योग: वैधृति 12:39 करण: कौलव 08:15	**19 फरवरी** सूर्य ↑06:57 ↓18:14; चन्द्र ↑13:28 ↓04:17, फरवरी 20 **दशमी १०** 08:49 नक्षत्र: मृगशिरा 10:33 योग: विष्कम्भ 12:01 करण: गर 08:49	**20 फरवरी** सूर्य ↑06:56 ↓18:14; चन्द्र ↑14:25 ↓05:05, फरवरी 21 **एकादशी ११** 09:55 नक्षत्र: आर्द्रा 12:13 योग: प्रीति 11:46 करण: भद्रा 09:55	**21 फरवरी** सूर्य ↑06:55 ↓18:15; चन्द्र ↑15:23 ↓05:47, फरवरी 22 **द्वादशी १२** 11:27 नक्षत्र: पुनर्वसु 14:18 योग: आयुष्मान् 11:51 करण: बालव 11:27	**22 फरवरी** सूर्य ↑06:54 ↓18:16; चन्द्र ↑16:21 ↓06:23, फरवरी 23 **त्रयोदशी १३** 13:21 नक्षत्र: पुष्य 16:43 योग: सौभाग्य 12:13 करण: तैतिल 13:21	**23 फरवरी** सूर्य ↑06:53 ↓18:16; चन्द्र ↑17:17 ↓— **चतुर्दशी १४** 15:33 नक्षत्र: अश्लेशा 19:25 योग: शोभन 12:48 करण: वणिज 15:33	**24 फरवरी** सूर्य ↑06:52 ↓18:17; चन्द्र ↑18:12 ↓06:54 **पूर्णिमा** 17:59 नक्षत्र: मघा 22:20 योग: अतिगण्ड 13:35 करण: बव 17:59

दिवस विशेष व्रत/पर्व

26 जनवरी - गणतन्त्र दिवस
29 जनवरी - सकट चौथ
30 जनवरी - गाँधी जी पुण्यतिथि
6 फरवरी - षटतिला एकादशी

7 फरवरी - प्रदोष व्रत
9 फरवरी - मौनी अमावस्या
10 फरवरी- माघ नवरात्रि
13 फरवरी - गणेश जयन्ती
14 फरवरी - वसन्त पञ्चमी

19 फरवरी - शिवाजी जयंती
16 फरवरी - रथ सप्तमी
20 फरवरी - जया एकादशी
21 फरवरी - प्रदोष व्रत
24 फरवरी - गुरु रविदास जयन्ती

दिवस विशेष में -
नीला रंग = शासकीय अवकाश (GH)
हरा रंग = प्रतिबन्धित अवकाश (RH)

इग्नू
जन–जन का
विश्वविद्यालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कालज्योति पञ्चाङ्ग

फाल्गुन मास
(25 फरवरी - 25 मार्च, 2024 ई.)

वसन्त ऋतु, उत्तरायण,
2080 विक्रम संवत्

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

G20 भारत 2023 INDIA

कृष्ण पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
25 फरवरी ↑06:51 ↓18:18 ☾↑19:05 ↓07:23 **प्रतिपदा १** 20:35 नक्षत्र: पू.फा. 01:24, फरवरी 26 योग: सुकर्मा 14:29 करण: बालव 07:16	**26 फरवरी** ↑06:50 ↓18:18 ☾↑19:57 ↓07:50 **द्वितीया २** 23:15 नक्षत्र: उ.फा. 04:31, फरवरी 27 योग: धृति 15:27 करण: तैतिल 09:55	**27 फरवरी** ↑06:49 ↓18:19 ☾↑20:49 ↓08:15 **तृतीया ३** 01:53, फरवरी 28 नक्षत्र: हस्त योग: शूल 16:25 करण: वणिज 12:35	**28 फरवरी** ↑06:48 ↓18:20 ☾↑21:42 ↓08:42 **चतुर्थी ४** 04:18, फरवरी 29 नक्षत्र: हस्त 07:33 योग: गण्ड 17:17 करण: बव 15:07	**29 फरवरी** ↑06:47 ↓18:20 ☾↑22:36 ↓09:10 **पञ्चमी ५** 06:21, मार्च 1 नक्षत्र: चित्रा 10:22 योग: वृद्धि 17:56 करण: कौलव 17:23	**01 मार्च** ↑06:46 ↓18:21 ☾↑23:34 ↓09:40 **षष्ठी ६** नक्षत्र: स्वाती 12:48 योग: ध्रुव 18:15 करण: गर 19:12	**02 मार्च** ↑06:45 ↓18:22 ☾↑00:34, मार्च 3 ↓10:16 **षष्ठी ६** 07:53 नक्षत्र: विशाखा 14:42 योग: व्याघात 18:07 करण: वणिज 07:53
03 मार्च ↑06:44 ↓18:22 ☾↑01:35, मार्च 4 ↓10:57 **सप्तमी ७** 08:44 नक्षत्र: अनुराधा 15:55 योग: हर्षण 17:25 करण: बव 08:44	**04 मार्च** ↑06:43 ↓18:23 ☾↑02:37, मार्च 5 ↓11:46 **अष्टमी ८** 08:49 नक्षत्र: ज्येष्ठा 16:21 योग: वज्र 16:06 करण: कौलव 08:49	**05 मार्च** ↑06:42 ↓18:24 ☾↑03:36, मार्च 6 ↓12:44 **नवमी ९** 08:04, दशमी नक्षत्र: मूल 16:00 योग: सिद्धि 14:09 करण: गर 08:04	**06 मार्च** ↑06:41 ↓18:24 ☾↑04:30, मार्च 7 ↓13:49 **एकादशी ११** 04:13, मार्च 7 नक्षत्र: पू.षा. 14:52 योग: व्यतीपात 11:33 करण: बव 17:27	**07 मार्च** ↑06:40 ↓18:25 ☾↑05:17, मार्च 8 ↓14:59 **द्वादशी १२** 01:19, मार्च 8 नक्षत्र: उ.षा. 13:03 योग: वरीयान् 08:24 करण: कौलव 14:50	**08 मार्च** ↑06:38 ↓18:25 ☾↑05:59, मार्च 9 ↓16:12 **त्रयोदशी १३** 21:57 नक्षत्र: श्रवण 10:41 योग: शिव 09:46, मार्च 9 करण: गर 11:41	**09 मार्च** ↑06:37 ↓18:26 ☾↑--- ↓17:23 **चतुर्दशी १४** 18:17 नक्षत्र: धनिष्ठा 07:55 योग: सिद्ध 20:32 करण: भद्रा 08:09
10 मार्च ↑06:36 ↓18:27 ☾↑06:36 ↓18:33 **अमावस्या** 14:29 नक्षत्र: पू.भा. 01:55, मार्च 11 योग: साध्य 16:14 करण: नाग 14:29						

फाल्गुन मास की खगोलीय घटनाएँ

6 मार्च - दशमी तिथि का क्षय
7 मार्च - बुध ग्रह का 09:40 बजे मीन राशि में तथा शुक्र ग्रह का 10:55 बजे कुम्भ राशि में प्रवेश
13 मार्च - तृतीया तिथि का क्षय
14 मार्च - सूर्य का 12:46 बजे मीन राशि में प्रवेश
15 मार्च - मंगल ग्रह का 18:22 बजे कुम्भ राशि में प्रवेश
26 मार्च - बुध ग्रह का 03:09 बजे मेष राशि में प्रवेश

इस पञ्चांग में सभी समय 24 घण्टा प्रारूप के अनुसार नई दिल्ली, भारत के स्थानीय समय के साथ दर्शाए गए हैं तथा लिखा हुआ समय उस तिथि, नक्षत्र, योग और करण की समाप्ति को बताता है। उस समय के बाद क्रम से अगली तिथि, नक्षत्र, योग तथा करण प्रारम्भ होगा। जहाँ समय नहीं लिखा है वहाँ अभिप्राय है कि वह पूर्ण रात्रि तक है।

शुक्ल पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
	11 मार्च ↑06:35 ↓18:27 ☾↑07:12 ↓19:42 **प्रतिपदा १** 10:44 नक्षत्र: उ.भा. 23:02 योग: शुभ 11:58 करण: बव 10:44	**12 मार्च** ↑06:34 ↓18:28 ☾↑07:46 ↓20:50 **द्वितीया २** 07:13, तृतीया नक्षत्र: रेवती 20:29 योग: शुक्ल 07:53 करण: कौलव 07:13	**13 मार्च** ↑06:33 ↓18:28 ☾↑08:22 ↓21:58 **चतुर्थी ४** 01:25, मार्च 14 नक्षत्र: अश्विनी 18:24 योग: इन्द्र 00:49, मार्च 14 करण: वणिज 14:40	**14 मार्च** ↑06:32 ↓18:29 ☾↑09:00 ↓23:06 **पञ्चमी ५** 23:25 नक्षत्र: भरणी 16:56 योग: वैधृति 22:00 करण: बव 12:20	**15 मार्च** ↑06:31 ↓18:30 ☾↑09:42 ↓00:12, मार्च 16 **षष्ठी ६** 22:09 नक्षत्र: कृत्तिका 16:08 योग: विष्कम्भ 19:46 करण: कौलव 10:42	**16 मार्च** ↑06:29 ↓18:30 ☾↑10:30 ↓01:15, मार्च 17 **सप्तमी ७** 21:38 नक्षत्र: रोहिणी 16:05 योग: प्रीति 18:08 करण: गर 09:48
17 मार्च ↑06:28 ↓18:31 ☾↑11:22 ↓02:13, मार्च 18 **अष्टमी ८** 21:52 नक्षत्र: मृगशिरा 16:47 योग: आयुष्मान् 17:06 करण: भद्रा 09:40	**18 मार्च** ↑06:27 ↓18:31 ☾↑12:18 ↓03:04, मार्च 19 **नवमी ९** 22:49 नक्षत्र: आर्द्रा 18:10 योग: सौभाग्य 16:37 करण: बालव 10:15	**19 मार्च** ↑06:26 ↓18:32 ☾↑13:16 ↓03:47, मार्च 20 **दशमी १०** 00:21, मार्च 20 नक्षत्र: पुनर्वसु 20:10 योग: शोभन 16:37 करण: तैतिल 11:31	**20 मार्च** ↑06:25 ↓18:32 ☾↑14:15 ↓04:25, मार्च 21 **एकादशी ११** 02:22, मार्च 21 नक्षत्र: पुष्य 22:38 योग: अतिगण्ड 17:01 करण: वणिज 13:19	**21 मार्च** ↑06:24 ↓18:33 ☾↑15:11 ↓04:57, मार्च 22 **द्वादशी १२** 04:44, मार्च 22 नक्षत्र: अश्लेशा 01:27, मार्च 22 योग: सुकर्मा 17:42 करण: बव 15:31	**22 मार्च** ↑06:22 ↓18:34 ☾↑16:06 ↓05:26, मार्च 23 **त्रयोदशी १३** नक्षत्र: मघा 04:28, मार्च 23 योग: धृति 18:36 करण: कौलव 17:59	**23 मार्च** ↑06:21 ↓18:34 ☾↑17:00 ↓05:53, मार्च 24 **त्रयोदशी १३** 07:17 नक्षत्र: पू.फा. योग: शूल 19:35 करण: तैतिल 07:17
24 मार्च ↑06:20 ↓18:35 ☾↑17:52 ↓--- **चतुर्दशी १४** 09:54 नक्षत्र: पू.फा. 07:34 योग: गण्ड 20:34 करण: वणिज 09:54	**25 मार्च** ↑06:19 ↓18:35 ☾↑18:44 ↓06:19 **पूर्णिमा** 12:29 नक्षत्र: उ.फा. 10:38 योग: वृद्धि 21:30 करण: बव 12:29	**26 मार्च** ↑06:18 ↓18:36 ☾↑19:37 ↓06:46 **प्रतिपदा १** 14:55 नक्षत्र: हस्त 13:34 योग: ध्रुव 22:18 करण: कौलव 14:55	**27 मार्च** ↑06:17 ↓18:36 ☾↑20:31 ↓07:13 **द्वितीया २** 17:06 नक्षत्र: चित्रा 16:16 योग: व्याघात 22:54 करण: गर 17:06	**28 मार्च** ↑06:15 ↓18:37 ☾↑21:28 ↓07:43 **तृतीया ३** 18:56 नक्षत्र: स्वाती 18:38 योग: हर्षण 23:13 करण: भद्रा 18:56	**29 मार्च** ↑06:14 ↓18:38 ☾↑22:27 ↓08:16 **चतुर्थी ४** 20:20 नक्षत्र: विशाखा 20:36 योग: वज्र 23:12 करण: बव 07:42	**30 मार्च** ↑06:13 ↓18:38 ☾↑23:28 ↓08:55 **पञ्चमी ५** 21:13 नक्षत्र: अनुराधा 22:03 योग: सिद्धि 22:47 करण: कौलव 08:51

दिवस विशेष व्रत/पर्व

28 फरवरी - द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी
1 मार्च - यशोदा जयन्ती
3 मार्च - शबरी जयन्ती
4 मार्च - जानकी जयन्ती
5 मार्च - महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती
6 मार्च - विजया एकादशी
8 मार्च - महा शिवरात्रि, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, प्रदोष व्रत
12 मार्च - फुलैरा दूज, रामकृष्ण जयन्ती
22 मार्च - प्रदोष व्रत
23 मार्च - शहीद दिवस
24 मार्च - होलिका दहन
25 मार्च - होली, चैतन्य महाप्रभु जयन्ती, लक्ष्मी जयन्ती,

दिवस विशेष में -
नीला रंग = शासकीय अवकाश (GH)
हरा रंग = प्रतिबन्धित अवकाश (RH)

इग्नू
जन–जन का
विश्वविद्यालय

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कालज्योति पञ्चाङ्ग

चैत्र मास

(26 मार्च - 08 अप्रैल, 2024 ई.)

वसन्त ऋतु, उत्तरायण,
2080 विक्रम संवत्

A++ ACCREDITED WITH GRADE NAAC

G20 भारत 2023 INDIA

कृष्ण पक्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
24 मार्च ↑ 06:20 ↓ 18:35 / ↑ 17:52 ↓ --- **चतुर्दशी १४** 09:54 नक्षत्र: पू.फा. 07:34 योग: गण्ड 20:34 करण: वणिज 09:54	**25 मार्च** ↑ 06:19 ↓ 18:35 / ↑ 18:44 ↓ 06:19 **पूर्णिमा** 12:29 नक्षत्र: उ.फा. 10:38 योग: वृद्धि 21:30 करण: बव 12:29	**26 मार्च** ↑ 06:18 ↓ 18:36 / ↑ 19:37 ↓ 06:46 **प्रतिपदा १** 14:55 नक्षत्र: हस्त 13:34 योग: ध्रुव 22:18 करण: कौलव 14:55	**27 मार्च** ↑ 06:17 ↓ 18:36 / ↑ 20:31 ↓ 07:13 **द्वितीया २** 17:06 नक्षत्र: चित्रा 16:16 योग: व्याघात 22:54 करण: गर 17:06	**28 मार्च** ↑ 06:15 ↓ 18:37 / ↑ 21:28 ↓ 07:43 **तृतीया ३** 18:56 नक्षत्र: स्वाती 18:38 योग: हर्षण 23:13 करण: भद्रा 18:56	**29 मार्च** ↑ 06:14 ↓ 18:38 / ↑ 22:27 ↓ 08:16 **चतुर्थी ४** 20:20 नक्षत्र: विशाखा 20:36 योग: वज्र 23:12 करण: बव 07:42	**30 मार्च** ↑ 06:13 ↓ 18:38 / ↑ 23:28 ↓ 08:55 **पञ्चमी ५** 21:13 नक्षत्र: अनुराधा 22:03 योग: सिद्धि 22:47 करण: कौलव 08:51
31 मार्च ↑ 06:12 ↓ 18:39 / ↑ 00:28, अप्रैल 1 ↓ 09:41 **षष्ठी ६** 21:30 नक्षत्र: ज्येष्ठा 22:57 योग: व्यतीपात 21:53 करण: गर 09:27	**01 अप्रैल** ↑ 06:11 ↓ 18:39 / ↑ 01:27, अप्रैल 2 ↓ 10:34 **सप्तमी ७** 21:09 नक्षत्र: मूल 23:12 योग: वरीयान् 20:30 करण: भद्रा 09:25	**02 अप्रैल** ↑ 06:10 ↓ 18:40 / ↑ 02:21, अप्रैल 3 ↓ 11:35 **अष्टमी ८** 20:08 नक्षत्र: पू.षा. 22:49 योग: परिघ 18:36 करण: बालव 08:44	**03 अप्रैल** ↑ 06:09 ↓ 18:40 / ↑ 03:09, अप्रैल 4 ↓ 12:41 **नवमी ९** 18:40 नक्षत्र: उ.षा. 21:47 योग: शिव 16:10 करण: तैतिल 07:23	**04 अप्रैल** ↑ 06:07 ↓ 18:41 / ↑ 03:51, अप्रैल 5 ↓ 13:50 **दशमी १०** 16:14 नक्षत्र: श्रवण 20:12 योग: सिद्ध 13:16 करण: भद्रा 16:14	**05 अप्रैल** ↑ 06:06 ↓ 18:41 / ↑ 04:29, अप्रैल 6 ↓ 15:00 **एकादशी ११** 13:28 नक्षत्र: धनिष्ठा 18:07 योग: साध्य 09:56 करण: बालव 13:28	**06 अप्रैल** ↑ 06:05 ↓ 18:42 / ↑ 05:05, अप्रैल 7 ↓ 16:08 **द्वादशी १२** 10:19 नक्षत्र: शतभिषा 15:39 योग: शुभ 06:15 करण: तैतिल 10:19
07 अप्रैल ↑ 06:04 ↓ 18:43 / ↑ 05:39, अप्रैल 8 ↓ 17:17 **त्रयोदशी १३** 06:53, चतुर्दशी नक्षत्र: पू.भा. 12:58 योग: ब्रह्म 22:17 करण: वणिज 06:53	**08 अप्रैल** ↑ 06:03 ↓ 18:43 / ↑ --- ↓ 18:25 **अमावस्या** 23:50 नक्षत्र: उ.भा. 10:12 योग: इन्द्र 18:14 करण: चतुष्पाद 13:34					

दिवस विशेष व्रत/पर्व

27 मार्च - भाई दूज
28 मार्च - शिवाजी जयन्ती, भालचन्द्र संकष्टी चतुर्थी
29 मार्च - गुड फ्राइडे
30 मार्च - रंग पञ्चमी
31 मार्च - ईस्टर
1 अप्रैल - शीतला सप्तमी
2 अप्रैल - शीतला अष्टमी, बासोड़ा
5 अप्रैल - जमात-उल-विदा, पापमोचिनी एकादशी
6 अप्रैल - प्रदोष व्रत
8 अप्रैल - सोमवती अमावस्या

नीला रंग = शासकीय अवकाश (GH)
हरा रंग = प्रतिबन्धित अवकाश (RH)

तिथि

चन्द्रमा की एक कला को एक तिथि माना गया है । अमावस्या के बाद प्रतिपदा से लेकर पूर्णिमा तक की 15 तिथियाँ शुक्लपक्ष और पूर्णिमा के बाद प्रतिपदा से अमावस्या तक की 15 तिथियाँ कृष्ण पक्ष कहलाती हैं। चन्द्रमा एक दिन में औसतमान से 13 अंश अपने परिक्रमण पथ पर आगे बढ़ता है तथा पृथ्वी एक दिन में 1 अंश, जिससे चन्द्रमा से सूर्य का अंशात्मक अंतर 13-1 = 12 अंश का हो जाता है । यह 12 अंश अंतर होने में जितना समय लगता है वह तिथि कहलाता है ।

योग

ज्योतिष शास्त्र में काल के दो अवयवों को मिलाना योग नाम से जाना जाता है। सूर्य और चन्द्रमा का कुल योग जब 13 अंश 20 कला = 800 कला होता है तब वह समय एक योग कहलाता है। कुल 27 प्रकार के योग होते हैं- (1) विष्कुंभ (2) प्रीति (3) आयुष्मान (4) सौभाग्य (5) शोभन (6) अतिगण्ड (7) सुकर्मा (8) धृति (9) शूल (10) गण्ड (11) वृद्धि (12) ध्रुव (13) व्याघात (14) हर्षण (15) वज्र (16) सिद्धि (17) व्यतीपात (18) वरीयान (19) परिघ (20) शिव (21) सिद्ध (22) साध्य (23) शुभ (24) शुक्ल (25) ब्रह्म (26) इन्द्र अथवा ऐन्द्र (27) वैधृति। इन 27 योगों में से कुल 9 योगों को अशुभ माना जाता है। ये 9 अशुभ योग हैं- विष्कुम्भ, अतिगण्ड, शूल, गण्ड, व्याघात, वज्र, व्यतीपात, परिघ और वैधृति।

करण

चन्द्र और सूर्य में 6 अंश के अन्तर के समय को एक करण कहते है। प्रत्येक तिथि में दो करण होते हैं -
1. बव 2. बालव 3. कौलव 4. तैतिल 5. गर 6. वणिज 7. विष्टि (भद्रा) 8. शकुनि 9. चतुष्पद 10. नाग 11. किंस्तुघ्न। इनमें चार करण (किन्सतुघ्न, शकुनि, चतुष्पद और नाग) स्थिर होते हैं। शेष 7 करणों (बालव, तैतिल, वणिज, बव, कौलव, गर और विष्टि/भद्रा) की मास में 8-8 बार पुनरावृत्ति होती है।

नक्षत्र

आकाश में ग्रहों के भ्रमण पथ पर पड़ने वाले तारा-समूह को नक्षत्र कहते हैं। ये चन्द्रमा के पथ से जुड़े हैं, जो संख्या में 27 हैं, क्योंकि चन्द्रमा 27 दिनों में सम्पूर्ण नक्षत्र चक्र का भ्रमण कर लेता है। ये सत्ताईस नक्षत्र इस प्रकार हैं- 1. अश्विनी 2. भरणी 3. कृत्तिका 4. रोहिणी 5. मृगशिरा 6. आर्द्रा 7. पुनर्वसु 8. पुष्य 9. अश्लेषा 10. मघा 11. पूर्वफाल्गुनी 12. उत्तराफाल्गुनी 13. हस्त 14. चित्रा 15. स्वाति 16. विशाखा 17. अनुराधा 18. ज्येष्ठा 19. मूल, 20. पूर्वाषाढा 21. उत्तराषाढा 22. श्रवण 23. धनिष्ठा 24. शतभिषा 25. पूर्वभाद्रपद 26. उत्तराभाद्रपद 27. रेवती।

वार

एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक एक वार होता है, जो सात हैं - सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार तथा रविवार तक वार कहलाते हैं। ज्योतिष शास्त्र में सृष्टि का प्रथम वार सूर्य का माना गया। अत: प्रथम वार रविवार माना गया।

निदेशक - प्रो. कौशल्या, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली
विषय-विशेषज्ञ - डॉ. अशोक थपलियाल
वास्तुशास्त्र विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- डॉ. प्रवेश व्यास
वास्तुशास्त्र विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

संयोजक - डॉ. सोनिया
संस्कृत अनुशासन, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली
सह-संयोजक - डॉ. आशीष कुमार
संस्कृत अनुशासन, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली
सहयोग - संस्कृत अनुशासन, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

इस पञ्चांग में दिए गए सभी मान अक्षांश - 28° 39′ 07″ उ., देशान्तर- 77° 13′ 53″ पू. के आधार पर यथासम्भव विशुद्ध देने का प्रयास किया गया है । पुनरपि यांत्रिकीय एवं मानवीय त्रुटियाँ स्वाभाविक हैं । अतः पाठकों से नम्र निवेदन है कि आपके परामर्श हमारे इस प्रयास को और उपयोगी बनाने में सहायक होंगे ।

dkmisr@ignou.ac.in soniya85@ignou.ac.in asheeshkr@ignou.ac.in

Designed by Promotion Valley - 99 999 54244